प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

www.mahikihunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

शांति के बिना सभी सपने गायब हो जाते हैं और राख में मिल जाते हैं...
-पंडित जवाहरलाल नेहरू

वर्ष-06, अंक-06 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 2 नवंबर 2023 | पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

चुनाव का तीसरा चरणः प्रत्याशी जनता के चरणों में...

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। आगामी विधानसभा चुनाव के दो चरण पूरे हो चुके हैं। पहले चरण में चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीद्वार पार्टी हाईकमान के चरणों में थे और अपने लिए टिकट की जुगाड़ कर रहे थे। दूसरे चरण में पार्टी हाईकमान और असंतुष्ट को समझाने में जुटा था। हालांकि यह चरण आज 2 नवम्बर को दोपहर नाम वापसी तक जारी रहेगा। उसके बाद होगा तीसरे चरण का प्रारंभ जहां चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी आम जनता के चरणों में नतमस्तक होते नजर आएंगे। 2 नवंबर को दोपहर पश्चात से चुनाव प्रचार समाप्ति तक चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी अपने आप को सच्चा जन सेवक साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यहां तक की विरोधियों पर कीचड़ उछालने से भी नहीं कतरायेगे। जबकी हमारी संस्कृति में विरोधियों का भी सम्मान करने की परंपरा रही है।

तीनों सीटों पर कांटे की टक्कर

नामांकन की समय सीमा खत्म होने तथा नामांकन की जांच होने के पश्चात झाबुआ विधानसभा से 1. बालू निनामा बसपा, 2. भानु भूरिया भाजपा, 3. विक्रांत भूरिया कांग्रेस, 4. गब्बर सिंह वास्केल बीएपी, 5. अमरा भाभोर, 6. अमरु मोहनिया, 7. कलमसिंह भाभोर, 8. जेवियर मेडा, 9. धनसिंह बारिया निर्दलीय रूप से चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं। अगर नाम आपसी के समय पर कोई भी उम्मीद्वार अपना नाम वापस नहीं लेता है तो इन्हीं के बीच मुकाबला होना तय है। वही काग्रेस, बागी जेवियर मैंड़ा को अपने पक्ष में समझाने में सफल हो गई है। यहां मुख्य मुकाबला कांग्रेस के विक्रांत भूरिया व भाजपा के भानु भूरिया के बीच होना तय है। यहां कांग्रेस को जेवियर मेडा नुकसान पहुचा सकते थे लेकिन वह खतरा अब काग्रेस के लिये खत्म हो चुका है। भाजपा को धनसिंह बारिया नुकसान पहुंचा सकते हैं, भाजपा अपने बागी को मनाने में सफल होगी या नही यह आज पता चलेगा। वही अन्य उम्मीद्वार कोई करिश्मा दिखा पाएंगे इसकी संभावना कम हैं। पिछ्ले चुनावो का प्रदर्शन देखें तो यहां से भाजपा की और से पवेसिंह पारगी, शांतिलाल बिलवाल, गुमानसिंह डामोर व कांग्रेस की ओर से जेवियर मैडा और कांतिलाल भूरिया यहां से विधायक चुने जा चुके। बावजूद अशिक्षा, बेरोजगारी, और ग्रामीण अंचलों में मूलभूत सुविधाऔं की कमी बरकरार है। नामांकन रैली में दोनों ही दलों के प्रत्याशी एक-दूसरे पर व्यक्तिगत आरोप तक ही सीमित रहे हैं। विक्रांत भूरिया जहां भाजपा प्रत्याशी को गुंडा कहते नजर आए। वही भानु भुरिया असली आदिवासी बनाम नकली आदिवासी का मुद्दा उठाकर खुद को असली आदिवासी और विक्रांत भूरिया को नकली आदिवासी बनाते नजर आए। जहां तक आम जनता का सवाल है वो विकास चाहती है तथा झाबुआ जिले में उद्योग धंधे सहित रोजगार मुलक योजनाएं चाहते हैं दोनों ही दलों के दावों का विश्लेषण कर जनता अपना मत देगी।

थांदला विधानसभा सीट

नाम निर्देशन की समीक्षा के उपरांत यहां 1. कलसिंह भाभर भाजपा, 2. वीरसिंह भूरिया कांग्रेस, 3. तोलसिंह भूरिया जेडीयु, 4. इलियास मचार बसपा, 5. मनीष मुनिया भारतीय ट्राइबल पार्टी, 6. मंजू डामर बीएपी, 7. तानसिंह मईडा, 8. बाबू डामोर, 9. उदयसिंह मचार निर्दलीय रूप से मैदान में है। नाम वापसी की समय सीमा के बाद शेष बचे उम्मीद्वारों के बीच मुकाबला होना है। यहां माजू डामोर बीएपी व तानसिंह मईडा दोनों प्रमुख दलों के उम्मीद्वारों के लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। लेकिन मुख्य मुकाबला कांग्रेस के वीरसिंह भूरिया व भाजपा के कलसिंह भाभर के बीच होना ही तय है। पिछ्ले चुनाव की बात करें तो पिछ्ले 20 वर्षों में 10 वर्ष कलसिंह भाभर यहां से विधायक रहे हैं। वहीं 10 वर्ष वीरसिंह भूरिया भी विधायक रहे हैं। जनता के लिए दोनों ही चेहरे जाने पहचाने हैं एक और वीरसिंह भूरिया की छवि क्षेत्र में सीधे-साधे गांधीवादी नेता के रूप में है। वही कलसिंह भाभर के छवि तेजतर्रार व दबंग नेता की है। वीरसिंह भूरिया व्यक्तिगत छवि व भाजपा विरोधी वोट के सहारे जीत का दावा कर रहे हैं। वही कलसिंह भाभर पिछ्ले 5 वर्षों में विधायक कि, निष्क्रियता व सत्ता पक्ष की योजनाओं के बलबूते अपनी नेया पार लगाने की उम्मीद् लगाए बैठे हैं। नामांकन रैली में कलसिंह भाभर आक्रामक शैली में नजर आए और खुद को जनता का सेवक (दाडकिया या हाली) कहने से भी नहीं कतराए। वहीं वीरसिंह भूरिया ने अपना नामांकन सादगी पूर्वक भरा। जहां तक क्षेत्र के मुख्य मुद्दे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार ही है आजादी के अमृतकाल में पीने के पानी व बड़ी सिंचाई योजनाओं का अभाव है। रोजगार की तलाश में आज भी ग्रामीण सूरत और कोटा पर ही निर्भर है। क्षेत्र में आज भी कहावत प्रचलित है कि, ÷बांधों रोटा और चालो कोटा÷ क्षेत्र में होली के त्यौहार के बाद काम की तलाश में पलायन शुरू हो जाता है और यह पलायन बारिश के प्रारंभ होने तक जारी रहता है।

पेटलावद विधानसभा

पेटलावद विधानसभा में नामांकन की जांच के पश्चात 1.निर्मला भूरिया भाजपा, 2.वालसिंह मैडा कांग्रेस, 3.रामेश्वर सिंगाड़ जेडीयू , 4. कोमलसिंह डामोर आप, 5. रामचंद सोलंकी बसपा, 6.बालूसिंह गामड़ बीऐपी, 7. अकमाल मालू डामोर, 8.प्रेमसिंह भूरिया, 9. सतन कटारा निर्दलीय रूप से ताल ठोक रहे है। यहां से सरकारी नौकरी छोड़कर बीएपी से चुनाव लड़ने वाले बालूसिंह गामड़ व निर्दलीय अकमाल मालू डामोर कांग्रेस और भाजपा के समीकरणों को बिगाड़ सकते हैं लेकिन मुख्य मुकाबला तो भाजपा के निर्मला भूरिया व कांग्रेस के वालसिंह मैडा के बीच ही है। जिले का एकमात्र विधानसभा क्षेत्र है जहां से आम आदमी पार्टी की ओर से भी उम्मीद्वार मैदान में है। उनकी उपस्थित कितनी रहती है यह तो मशीन में दर्ज होने वाले वोटो की संख्या से ही पता चल सकेगा। जहां तक पिछ्ले चुनावो की बात करें तो यहां भी थांदला सीट जैसी ही स्थिती है। पिछ्ले 20 वर्षों में यहां से 10 वर्ष कांग्रेस के वालसिंह मैडा तो 10 वर्ष भाजपा से निर्मला भूरिया विधायक रही है। प्रमुख मुद्दे को देखे तो जिले का यह क्षेत्र उन्नत खेती के लिए जाना जाता है। यहां के टमाटर ने देश-विदेश में धूम मचाई है लेकिन बावजूद इसके इस क्षेत्र में टमाटर के संग्रहण व विपणन सुविधा नहीं है। किसानों को बाजार पर ही निर्भर रहना पड़ता है। सिंचाई के क्षेत्र में यह क्षेत्र जिले में अव्वल है लेकिन बावजूद इसके मूलभूत सुविधाओं की दरकार आज भी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य औद्योगिक क्षेत्र की मांग यहां लंबे समय से की जा रही है।

इस माह से देश में हो गए ये 5 बड़े बदलाव...

नई दिल्ली।

नवंबर का महीना शुरू हो गया है और हर महीने की तरह ये महीना भी देश में कई बड़े बदलाव लेकर आया है। पहले ही दिन जहां एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इजाफा होने से बड़ा झटका लगा है, तो वहीं जीएसटी के नियम भी बदले हैं। एक नवंबर से हुए ये बदलाव सीधा आपकी जेब पर असर डालने वाले हैं। आइए ऐसे ही 5 बड़े बदलावों पर नजर डालते हैं...

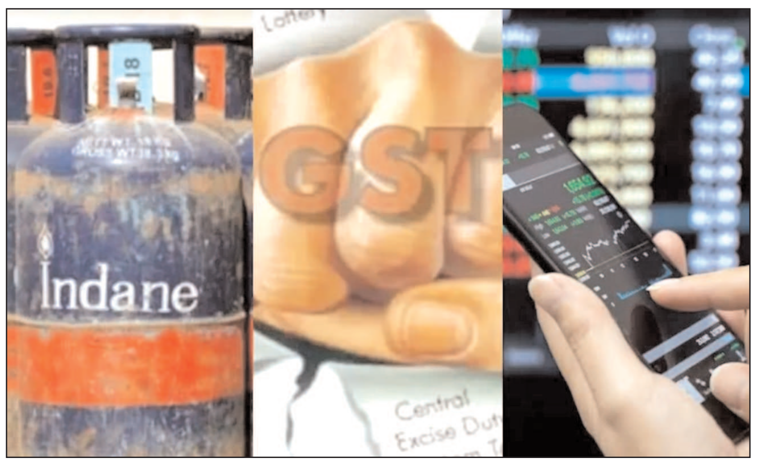

पहला बदलावः एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़े

हर महीने की पहली तारीख को ऑयल मार्केटिंग कंपनियां एलपीजी की कीमतों में संशोधन करती हैं। फेस्टिव सीजन में बीते 30 अगस्त को 14 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी कटौती करते हुए सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत दी थी, लेकिन कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतें लगातार बढ़ीं। इस महीने की पहली तारीख यानी एक नवंबर से फिर बड़ा झटका लगा है और 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 103 रुपए तक का इजाफा किया गया है। दिवाली से पहले गैस की कीमतों में ये बढ़ोतरी कॉमर्शियल यूजर्स की जेब पर भारी पड़ेगी।

दूसरा बदलावः जेट फ्यूल सस्ता

नवंबर की शुरुआत के साथ दूसरा बड़ा बदलाव हवाई यात्रियों के लिए है। जी हां, लगातार बढ़ रहे एयर टर्बाइन फ्यूल के दाम में बढ़ोतरी का सिलसिला थम गया है। एक के बाद एक लगातार बढ़ोतरी के बाद एक नवंबर को आखिरकार ओएमसी ने एटीएफके दाम में एक हजार 74 रुपए प्रति किलोलीटर घटा दिए हैं। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं।

तीसरा बदलावः जीएसटी चालान

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के मुताबिक एक नवंबर से 100 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा का कारोबार करने वाले कारोबारियों को 30 दिनों के भीतर ई-चालान पोर्टल पर जीएसटी चालान अपलोड करने का ऐलान किया था, ये नियम कारोबारियों पर आज से लागू हो गया है।

चौथा बदलावः बीएसई पर ट्रांजैक्शन

शेयर बाजार के 30 शेयरों वाले बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने बीते अक्टूबर महीने में इक्विटी के डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रैंजैक्शंस पर शुल्क बढ़ाने का ऐलान किया था और ये बदलाव भी 1 नवंबर से लागू हो गया है। इसका असर शेयर बाजार निवेशकों पर पड़ेगा और पहली तारीख से लेन-देन पर उन्हें अतिरिक्त पैसा देना पड़ेगा।

पांचवां बदलावः दिल्ली में इन बसों पर रोक

बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए दिल्ली-एनसीआर में एक नवंबर से बीएस-3 और बीएस-4 डीजल बसों की एंट्री पर बैन किया गया है। अब दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान से आने वाली ऐसी डीजल बसें राजधानी दिल्ली में प्रवेश नहीं कर पाएंगी। अब केवल इलेक्ट्रिक, सीएनजी एवं भारत स्टेज (बीएस-6) बसों को ही दिल्ली में एंट्री मिल सकेगी।

इन पांच बड़े बदलावों के साथ ही देश में और भी कई नियम बदले हैं, जिनमें एक बीमाधारकों से जुड़ा हुआ है। पहली तारीख से इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफइंडिया ने सभी बीमाधारकों के लिए केवाईसी अनिवार्य कर दिया है।

जल्द शुरू होगा वंदे साधारण ट्रेन का ट्रायल

नई दिल्ली।

वंदे भारत की लोकप्रियता को देखते हुए नॉन एसी कोच वाली वंदे साधारण एक्सप्रेस को जल्द चलाने की प्लानिंग की जा रही है। इस कड़ी में ट्रेन के ट्रायल के लिए बिल्कुल नई वंदे साधारण पुश-पुल ट्रेन मुंबई के वाडी बंदर यार्ड पहुंची। आने वाले सप्ताह में इसका ट्रायल किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि, 22 कोच वाली नॉन-एसी 3-टियर स्लीपर ट्रेन यात्रियों के लिए किफायती किराया वाली एक शानदार विकल्प साबित होगी। ट्रेन की क्षमता एक हजार 800 यात्रियों को ले जाने की है। रिपोर्ट्स की मानें तो यह ट्रेन दो लोकोमोटिव द्वारा खींची जाएगी। ट्रेन यह 130 किमी प्रति घंटे तक की गति से चल सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस ट्रेन की टेसि्ंटग मुंबई-नासिक कॉरिडोर की जाने की उम्मीद है, जिसमें पहाड़ी इलाकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जिस रूट पर ट्रेन चलाई जाएगी वह रूट मुंबई से दिल्ली के बीच में हो सकता है। हालांकि, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। 12 अक्टूबर को की गई एक घोषणा में रेलवे बोर्ड सचिव मिलिंद देउस्कर ने कहा था कि, भारतीय रेलवे वंदे भारत स्लीपर कोच और वंदे भारत मेट्रो लॉन्च करने की योजना बना रही है। सीआईआई रेल सम्मेलन में एक संबोधन के दौरान उन्होंने कहा, हम गति और सुविधा की जरूरतों को पूरा करने के लिए वंदे भारत स्लीपर और वंदे भारत मेट्रो ट्रेनों की योजना बना रहे हैं।

चंद्रयान-3 को लेकर आई खुशखबरी

नई दिल्ली।

इसरो के चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड कर इतिहास रच दिया है। इस मिशन को लेकर हर दिन अलग अलग जानकारियां सामने आ रही हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि अब चंद्रयान-3 मिशन का प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में परमाणु प्रौद्योगिकी (न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी) के जरिए ऊर्जा हासिल कर रहा है। टीओआई की रिपोर्ट की मानें तो इसकी पुष्टि परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष अजीत कुमार मोहंती ने की है। मोहंती ने कहा कि, उन्हें खुशी है कि भारत का परमाणु क्षेत्र इतने महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा हो सकता है। प्रोपल्शन मॉड्यूल के बारे जानकारी देते हुए इसरो के अधिकारियों ने कहा कि, प्रोपल्शन मॉड्यूल दो रेडियो आइसोटोप हीटिंग इकाइयों (आरएचयू) से लैस है, जो भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) द्वारा डिजाइन और डेवलप किया गया है। यह एक वाट की एनर्जी उत्पन्न करता है। आरएचयू की मदद से अंतरिक्ष यान को उसके लिए जरूरी तापमान मेंटेन करने में मदद मिलती है। चंद्रयान-3 के प्रोजेक्ट डायरेक्टर पी वीरमुथुवेल ने कहा कि, इसरो रोवर और लैंडर को मेंटेन करने के लिए प्रोपल्शन मॉड्यूल के परमाणु संसाधनों का उपयोग भविष्य में कर सकता है। यानी ऐसा हो सकता है कि इसका इस्तेमाल भविष्य में लैंडर और रोवर के जरिए सिग्नल पाने के लिए किया जाए। हालांकि, डायरेक्ट ऊर्जा देने के लिए चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर पर आरएचयू को स्थापित नहीं किया गया। इसरो की मानें तो ऐसा करने से चंद्रयान-3 का द्रव्यमान बढ़ जाता, जिसके चलते मिशन में किसी तरह की परेशानी आ सकती थी।

राहुल गांधी ने सिंगरेनी कोयला खदानों के श्रमिकों से की बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को तेलंगाना में सिंगरेनी कोयला खदान के श्रमिकों के साथ अपनी हालिया बातचीत का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में उन्होंने 'खानों के निजीकरण' पर चिंता व्यक्त की। इसके अलावा आरोप लगाया कि यह श्रम कानूनों का उल्लंघन है और इसका मतलब श्रमिकों को 'बंधुआ' मजदूरी में धकेलना है।

कोई निजीकरण नहीं होना चाहिए-गांधी द्वारा अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए एक वीडियो में, वह कार्यकर्ताओं से यह कहते हुए नजर आ रहे है कि कांग्रेस का रुख बहुत स्पष्ट है कि रणनीतिक क्षेत्रों में कोई निजीकरण नहीं होना चाहिए। उन्होंने वीडियो के साथ अपने पोस्ट में कहा, कुछ दिन पहले मुझे सिंगरेनी की कोयला खदानों के श्रमिकों और कर्मचारियों से मिलने और बात करने का मौका मिला। उनकी समस्याएं सुनीं और सुनने के बाद मुझे पता चला कि हर समस्या की जड़ खदानों का निजीकरण है।

अमीर और अमीर हो जाएंगे-पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने आगे कहा कि, यह निजीकरण श्रम कानूनों का उल्लंघन है और श्रमिकों को बंधुआ मजदूरी में धकेलने का एक साधन है। इससे कुछ पूंजीपतियों को फायदा होगा और नतीजा वही होगा जो मैं लंबे समय से कहता आ रहा हूं - अमीर और अमीर हो जाएंगे, और गरीब और गरीब हो जाएंगे। वीडियो में, कार्यकर्ता गांधी से यह सुनिश्चित करने के लिए कहते हैं कि कांग्रेस अपने घोषणापत्र में कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से इस तरह के निजीकरण के खिलाफ अपना रुख बताए। बाद में एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदी में एक पोस्ट में गांधी ने कहा, सिंगारेनी कोयला खदानों के मजदूरों से मिलने के बाद यह बात सामने आई कि उनका शोषण एक बड़ी साजिश का हिस्सा है।

देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा अडानी टैक्स-गांधी ने आरोप लगाया कि, भारतीय खदानों का निजीकरण, विदेशों से महंगा कोयला लाना, फिर जनता की जेब काटने के लिए बिजली बिल बढ़ाना है। प्रधानमंत्री ने एक 'छिपा हुआ टैक्स' लगाया है जो देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा है और वो है अडानी टैक्स... ! पिछ्ले महीने अपनी तेलंगाना यात्रा के दौरान श्रमिकों के साथ हुई बातचीत में गांधी ने आश्वासन दिया था कि सिंगरेनी कोलियरी की खदानों का निजीकरण नहीं किया जाएगा और आरोप लगाया था कि, इसे अडानी को बेचने की कोशिश की गई थी, लेकिन 'हमने इसे रुकवा दिया।' राहुल गांधी समाज के विभिन्न सेक्टरों के साथ बातचीत कर रहे हैं।

आरक्षण की मांग पर घिर रही एकनाथ शिंदे की सरकार

मुंबई, एजेंसी। मराठा समुदाय के लोगों के लिए आरक्षण की मांग एकनाथ शिंदे सरकार के लिए जी का जंजाल बनती जा रही है। मनोज जारांगे पाटिल और उनके समर्थक अपना विरोध प्रदर्शन रोकने के लिए राजी नहीं है। तो अब राज्य सरकार सर्वदलीय बैठक से इस मुद्दे का हल निकालने की कोशिश कर रही है। साथ ही प्रदर्शनकारियों से शांत रहने की अपील भी कर रही है। उग्र प्रदर्शन में लोग विधायक-मंत्रियों के घर-दफ्तर फूंक चुके हैं। पुणे-बेंगलुरु राजमार्ग पर ट्रैफिक भी अवरुद्ध कर दिया गया। इन घटनाओं ने आंदोलन को हिंसक रूप दे दिया है। सवाल यह है कि, आंदोलनकारी इस बार मराठी राजनेताओं से इतना क्यों उखड़े हुए हैं...? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि सीएम शिंदे से लेकर कैबिनेट के कई मंत्री मराठा समुदाय से आते हैं। अब तक राज्य पर हुकूमत करने वाले 60 फीसदी मुख्यमंत्री मराठा रहे हैं। मराठा कोटे के लिए चल रहा संघर्ष महाराष्ट्र के कई जिलों में उग्र रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मराठा आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा करने और समाधान निकालने के लिए आज एक सर्वदलीय बैठक कर रहे है। कारण साफ है- विरोध लगातार बढ़ रहा है।

मणिपुर में दहशत फैला रहे विदेशी...?

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में पुलिस अधिकारी की हत्या के एक दिन बाद कम से कम 32 विदेशी हिरासत में लिए गए हैं। मामले से वाकिफ अधिकारियों ने कहा कि, पुलिस अधिकारी की हत्या के बाद दिन में घात लगाकर एक और हमला किया गया था। इसके बाद शुरू किए गए घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने बुधवार को मणिपुर के मोरे शहर से पूछताछ के लिए कम से कम 32 म्यांमार नागरिकों सहित 44 लोगों को हिरासत में लिया है।

मणिपुर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की मंगलवार को तेंगनौपाल जिले में संदिग्ध आदिवासी उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जिसके बाद राज्य सरकार ने 'वर्ल्ड कुकी-जो इंटेलेक्चुअल काउंसिल' (डब्ल्यूकेजेडआईसी) को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित समूह घोषित करने की सिफारिश की है। नाम न छापने के अनुरोध पर एक अधिकारी ने कहा, पुलिस उनकी भूमिका की जांच कर रही है। दोनों हमलों की जांच कर रहे अधिकारियों को संदेह है कि, हमलावर म्यांमार भाग गए होंगे। सरकार का कहना है कि, म्यांमार और बांग्लादेश के आतंकवादी समूह मणिपुर में हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने प्रमुख मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा के पीछे की (विदेशी) साजिश की जांच के लिए एक मामला दर्ज किया है। यह हिंसा मई में शुरू हुई थी और जिसमें 178 लोग मारे जा चुके हैं और लगभग 50 हजार लोग विस्थापित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि, इम्फाल के हाओबाम मराक इलाके के निवासी उपमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) चिंगथम आनंद की तब एक 'स्नाइपर' हमले में हत्या कर दी गई, जब वह पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा संयुक्त रूप से बनाये जाने वाले एक हेलीपैड के लिए ईस्टर्न शाइन स्कूल के मैदान की सफाई की देखरेख कर रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि, एसडीपीओ को मोरेह के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके बाद इम्फाल-मोरेह राजमार्ग पर घटनास्थल की ओर जा रहे सुरक्षा बलों पर घात लगाकर किए गए हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए।

सामूहिक रूप से निगरानी टीम ने जप्त की शराब

माही की गूंज खवासा

एक और शराब जप्ती की कार्यवाही करते हुए बुधवार देर शाम को माही की गूंज की खबर की पुष्टि करते हुए पिछले दिनों प्रकाशित समाचार जिसमें खवासा की स्थानीय शराब विक्रेता के नाम प्रकाशित किये थें, जिनके यहां रूक-रूककर क्रम से चुनाव आचार संहिता के बाद बनाई गई विशेष निगरानी टीम व नायक तहसीलदार ने कार्यवाही की।

इसी तर्ज पर बुधवार को भी देर शाम को बाजना मार्ग पर महाकाली किराना दुकान की आड़ में शंभू चौहान अवैध शराब विक्रय कर रहा था कि, एफएसटी व एसएसटी टीम ने सामूहिक कार्यवाही करते हुए दबिश देकर शराब जप्त की। यह अलग बात है कि, यह अवैध शराब विक्रेता सतत् कार्यवाही के चलते उतनी ही मात्रा में शराब रखते हैं, जितनी मात्रा में वह जेल में जाने से बच जाए। जिसके चलते 50 लीटर के अंदर ही अपने अवैध अड्डों पर शराब लाकर विक्रय कर रहे है। नतीजा बुधवार शाम को भी उक्त निगरानी टीम की दबिश में 21 बल्क लीटर मूल्य 8 हजार 7 सौ रूपये की शराब जप्त करने में टीम ने सफलता हासिल कर कार्यवाही की।

53 दिन जेल में काटने के बाद घर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री

अमरावती, एजेंसी।

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू जेल से रिहा होने के बाद बुधवार सुबह गुंटूर जिले के उंदावल्ली स्थित अपने आवास पर पहुंचे। इस दौरान परिवार वालों और समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास निगम घोटाला मामले में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने उन्हें अस्थाई जमानत दी है। इससे पहले मंगलवार को जेल से रिहा होने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और परिवार वालों ने उनका जोरदार स्वागत किया था।

हालांकि, जेल से निकलने के बाद आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तुरंत ही गुंटूर जिले के उंदावल्ली स्थित अपने घर के लिए रवाना हो गए थे। करीब 13 घंटे की लंबी यात्रा के बाद सुबह लगभग 6 बजे अपने घर पहुंचे। जहां परिवार के सदस्यों और पार्टी समर्थकों ने उनका स्वागत किया। वहीं, घर पहुंचने के बाद पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू ने अपनी पत्नी के साथ पूजा-अर्चना में शिरकत की। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने चंद्रबाबू नायडू को स्वास्थ्य आधार पर चार सप्ताह की अवधि के लिए अंतरिम जमानत दे दी थी। नायडू की ओर से पेश वकीलों ने हाईकोर्ट को सूचित किया था कि उन्हें मोतियाबिंद सर्जरी कराने के लिए जमानत की जरूरत है।

इस मामले में हुई थी गिरफ्तारी

कौशल विकास निगम से धन के दुरुपयोग के आरोप में नायडू को बीते महीने सितंबर में गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि इस कथित घोटाले की वजह से सरकारी खजाने को 300 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। कोर्ट ने नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई की तारीख 10 नवंबर तय की है।

तीन दिवसीय श्रीलंका दौरे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को तीन दिवसीय श्रीलंका दौरे पर रवाना हुई। यात्रा के दौरान सीतारमण श्रीलंका में भारत मूल के तमिलों के आगमन की 200वीं वर्षगांठ मनाने के लिए श्रीलंका सरकार द्वारा सुगाथादासा इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'एनएएम 200' में सम्मानित अतिथि के रूप में भाषण देंगी।

वित्त मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भारतीय राजनीतिक दलों के अन्य आमंत्रित सदस्य और मलेशियाई तमिल कांग्रेस के एक प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने, श्रीलंका के जल आपूर्ति और संपदा अवसंरचना विकास मंत्री जीवन थोंडामन, राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति ÷नाम 200÷ में भाग लेंगे।

तीन दिवसीय श्रीलंका दौरे के दौरान सीतारमण रानिलविक्रमसिंघे और दिनेश गुणवर्धने के साथ बैठकें करेंगी। वित्त मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वह श्रीलंका में धार्मिक स्थलों के सौर विद्युतीकरण के लिए समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान की गवाह बनेंगी।

वित्त मंत्रालय ने कहा, केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीलंका में धार्मिक स्थानों के सौर विद्युतीकरण के लिए समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान का गवाह बनेंगी, जिसमें भारत भारत सरकार की 107.47 रुपये की अनुदान सहायता में से 82.40 करोड़ रुपये आवंटित करेगा। बौद्ध संबंधों को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपए निर्धारित किए गए हैं।

निर्मला सीतारमण 2 और 3 नवंबर को त्रिंकोमाली और जाफना में एसबीआई शाखाओं का उद्घाटन करेंगी। अपनी यात्रा के दौरान वह कैंडी में श्री दलाडा मालीगावा (पवित्र दांत अवशेष का मंदिर), अनुराधापुरा में जया श्री महा बोधि, त्रिंकोमाली और नल्लूर में थिरुकोनेश्वरम मंदिर का दौरा करेंगी। वित्त मंत्रालय के अनुसार, केंद्रीय वित्त मंत्री का लंका आईओसी तेल टैंक फार्म, जाफना सांस्कृतिक केंद्र और जाफना पब्लिक लाइब्रेरी का दौरा करने का कार्यक्रम है।

इससे पहले अक्टूबर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने श्रीलंका का दौरा किया था। अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर ने श्रीलंका द्वारा आयोजित हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) की 23वीं मंत्रिपरिषद (सीओएम) बैठक में भाग लिया। अपनी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने राष्ट्रपति सचिवालय में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की।

कांग्रेस ने कैलाश विजयवर्गीय पर मानहानि और रेप केस की जानकारी छुपाने का लगाया आरोप

इंदौर।

कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने दुष्कर्म और मानहानि के गंभीर इल्जामों से जुड़े दो अलग-अलग लम्बित अदालती मुकदमों की जानकारी इंदौर-1 सीट से भरे नामांकन में जानबूझकर नहीं दी है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि, वह राज्य में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में विजयवर्गीय की उम्मीदवारी को चुनौती देने के लिए शीर्ष न्यायालय तक कानूनी लड़ाई लड़ेगी। भाजपा का कहना है कि, ''मुद्दाविहीन'' कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में अपनी घोर पराजय का पूर्वाभास हो गया है, इसलिए वह भाजपा उम्मीदवारों पर घटिया आरोप लगाने पर उतर आई है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता चरण सिंह सपरा ने इंदौर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि, छत्तीसगढ़ के पूर्व महाधिवक्ता कनक तिवारी ने दुर्ग की एक अदालत में 1999 में विजयवर्गीय के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था और भाजपा महासचिव के नाम जारी विभिन्न समन और वारंट की तामील नहीं होने पर अदालत ने उन्हें इस मामले में 2019 से ''फरार'' घोषित कर रखा है। उन्होंने दावा किया कि, विजयवर्गीय और दो अन्य लोगों के खिलाफ पश्चिम बंगाल के अलीपुर की एक अदालत में एक महिला द्वारा दुष्कर्म के आरोप में दायर मामला भी लम्बित है।

सपरा ने आरोप लगाया कि, विजयवर्गीय ने इंदौर-1 से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर दायर हलफनामे में दुर्ग और अलीपुर की अदालतों में लम्बित दोनों मामलों की जानकारी जानबूझकर छिपाई और इससे राजनीतिक नैतिकता को लेकर भाजपा के दावों की पोल खुल जाती है। कांग्रेस प्रवक्ता ने दावा किया कि विजयवर्गीय द्वारा दोनों मुकदमों की जानकारी छिपाए जाने पर इंदौर-1 से कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला की आपत्ति को सत्तारूढ़ भाजपा के ''दबाव'' के चलते जिला निर्वाचन कार्यालय ने खारिज कर दिया। सपरा ने कहा, कांग्रेस विजयवर्गीय की उम्मीदवारी के खिलाफ केंद्रीय निर्वाचन आयोग से लेकर उच्चतम न्यायालय तक कानूनी लड़ाई लड़ेगी। हम इस मामले को चुनावों में जनता की अदालत में भी ले जाएंगे।

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता गोविंद मालू ने कहा,कांग्रेस के पास विधानसभा चुनावों में कोई भी मुद्दा नहीं है। वह चुनावों में अपनी घोर पराजय का पूर्वाभास होते ही भाजपा उम्मीदवारों पर घटिया आरोप लगाने पर उतर आई है। विजयवर्गीय अपनी उम्मीदवारी के खिलाफ कांग्रेस के आरोपों पर पहले ही प्रतिक्रिया व्यक्त कर चुके हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा था, कांग्रेस को साफ-सुथरी राजनीति करनी चाहिए और आमने-सामने की चुनावी लड़ाई करनी चाहिए। मुझ पर कई मुकदमे चल रहे हैं और इन मुकदमों की जानकारी सरकार से छिपाने वाली कोई बात ही नहीं है। विजयवर्गीय ने यह भी कहा था, अगर (हलफनामा भरते वक्त) कोई मामला गलती से इधर-उधर हो भी गया है, तो हम यह गलती ठीक कर लेंगे।

गोपाष्टमी 20 नवम्बर से देवझिरी की गो सेवा सदन, चारोलीपाडा अन्तरिक होगी

माही की गूंज, झाबुआ।

ब्रह्मलीन धर्म धुरंधर अनंत श्री विभूषित दंडी स्वामी मोहनानंद जी सरस्वती के कर कमलो से झाबुआ जिले के पवित्र स्थल देवझिरी में नगर के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यकर्ता कन्हैयालाल राठौर द्वारा दान की गई भूमि पर वर्ष 2009 में गोपाष्टमी पर श्रीकृष्ण गो सेवा सदन देवझीरी का शुभारंभ किया गया था। वर्तमान में इस पंजीकृत संस्थान का रखरखाव 7 सदस्यों की समिति कर रही है। गौशाला समिति विगत 14 वर्षों से कार्यरत होकर गौशाला में गाय की सेवा समिति नगर के धर्मात्माओं से प्राप्त सहयोग राशि से कर रही है। गौशाला संचालक के रूप में कार्यरत सदन के सदस्य प्रीतेश शाह ने बताया कि, उक्त गौशाला देवझिरी में संचालित करने में अनेको कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा कई प्रकार की जटिल समस्याएं उत्पन्न हो रही है। विगत एक वर्ष पूर्व समिति के सदस्यों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि, ग्राम चारोली पपड़ा में शासन द्वारा निर्मित गौशाला निर्माण तिथि से आरंभ नहीं हुई है। इस देवझीरी स्थित गौशाला को स्थानांतरित कर दिया जावे। इस निर्णय के उपरांत समिति द्वारा जिलाध्यक्ष से संपर्क कर ग्राम पंचायत स्तर से कार्रवाई की जाकर संपूर्ण औपचारिकताएं पूर्ण की गई। तथा गौशाला श्रीकृष्ण गौ सेवा सदन को स्थानांतरित करवा ली गई है। गौशाला में आवश्यक परिवर्तन, परिवर्धन के उपरांत विधिवत गौशाला को कार्तिक मास की गोपाष्टमी 20 नवम्बर सोमवार से चारोलीपाडा में स्थानांतरित कर आरंभ किया जाने का लक्ष्य रखा गया है। ऐसा माना जाता है कि, भगवान श्रीकृष्ण ने गोपाष्टमी से ही गौचपरण आरंभ किया था। गोचपरण का यह दिन हिंदू सनातनी परंपरा में गोपाष्टमी के रूप में सनातनधर्मी कई राज्यों में मनाया जाता है। गौशाला समिति के सदस्यगण कन्हैयालाल राठौर, पीयूष पवार, दयानंद पाटीदार, प्रीतेश शाह, छोगालाल मालवीय, रमेशचंद्र मालवीय, सुधीर तिवारी ने नगर के सभी सनातनी गो भक्तों से इस नूतन शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित होकर तन मन और धन से सहयोग करने की अपील की है ।

राजनीतिक दलों की बैठक सह प्रशिक्षण आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ

विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत जिले के लिए नियुक्त प्रेक्षक अशेष राजेश रेवार आईआरएस द्वारा जिले के राजनीतिक दलों के साथ व्यय लेखा के संबंध में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। श्री रेवार द्वारा राजनीतिक दलों के अभ्यर्थीयों को निर्वाचन व्यय लेखा संधारण की पृष्ठभूमि के बारे में अवगत कराया की चुनाव आयोग के निर्देशानुसार सभी अभ्यर्थियों को निर्वाचन व्यय लेखा का संधारण करना अनिवार्य है जिसमें उनके द्वारा नाम निर्देशन के पूर्व चुनावी व्यय के लिए पृथक एक बैंक खाता खोलना, चुनाव में किए जाने वाले व्यय की प्रक्रिया के बारे में बताया।

बैठक में झाबुआ विधानसभा के लिए नियुक्त सहायक व्यय प्रेक्षक रामनिवास मीणा द्वारा व्यय लेखा संधारण के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। श्री मीणा द्वारा उपस्थित राजनीतिक दलों के अभ्यर्थियों एवं प्रतिनिधियों को बताया की सभी प्रत्याशियों को रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा निर्धारित एवं प्रमाणित व्यय रजिस्टर रखना होगा जिसमें दैनिक खर्चा, नगदी एवं बैंक लेनदेन का हिसाब रखना होगा। वीएसटी, वीवीटी द्वारा प्रत्याशी एवं दल की प्रत्येक गतिविधि की वीडियो रिकॉर्डिंग एवं संवीक्षा की जायेगी। अभ्यर्थियों को अपने अपराधिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रकाशित करवाना अनिवार्य है, जिसका व्यय अभ्यर्थी के खाते में जोड़ा जाएगा। साथ ही अभ्यर्थी किसी भी प्रकार से 10 हजार रू. तक ही नगद सहायता राशि ले सकते है एवं 10 हजार तक नगद राशि भुगतान कर सकते है। उससे ऊपर की समस्त प्राप्तियां/खर्च, बैंक अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से करना होंगे। प्रचार साधनों जिसमे गमछा, टोपी, झंडे आदि का व्यय पार्टी के खाते में जोड़ा जाएगा लेकिन प्रत्याशी की फोटो लगी प्रचार सामग्री होने पर प्रत्याशी के खाते व्यय राशि जोड़ी जाएगी। व्यय प्रेक्षक द्वारा बताया गया कि, समय-समय पर व्यय दल द्वारा प्रत्याशी के व्यय की संवीक्षा की जाएगी, अतः अपने व्यय लेखा को नियमित रूप से निर्धारित करें।

कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ

विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 193-झाबुआ हेतु नियुक्त सामान्य प्रेक्षक आलोक कुमार कर आईएएस की अध्यक्षता में सेक्टर अधिकारियों एवं पुलिस सेक्टर अधिकारियों की कानून व्यवस्था के संबंध में कलेक्टर सभा कक्ष में दोपहर साढे 12 बजे बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन हेतु कानून एवं व्यवस्था तंत्र की समग्र तैयारी की समीक्षा की गई।

प्रेक्षक द्वारा पुलिस कर्मियों की पर्याप्तता, केन्द्रीय बलों की आवश्यकता, की गई निवारक कार्यवाही (निवारक हिरासत, बांड और हथियार जमा करना), मतदान के दिन पुलिस व्यवस्था के लिए सेक्टर योजनाएं, मतदान के दिन प्रतिक्रिया रणनीति और ईवीएम एवं वीवीपेट का परिवहन, और अंतर- जिला, अंतर्राजीय सीमाओं की संवेदनशीलता के बारे में चर्चा की गई।

श्री कर द्वारा सेक्टर अधिकारियों से मतदान केंद्रों से संबंधित जानकारी ली गई तथा निर्देशित किया की बूथ पर सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं अवश्य उपलब्ध हो। पुलिस गशत हेतु सेक्टर प्लान एवं अतिरिक्त बल की आवश्यकता की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त जिले में शराब की स्टॉक स्थिति की निगरानी एवं चुनाव अवधि के दौरान की गई कार्यवाही की जानकारी ली गई।

एग्जिट पोल तथा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार 7 से 30 नवम्बर तक रहेगा प्रतिबंध

माही की गूंज, झाबुआ

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि, आदर्श आचरण संहिता के दौरान 7 नवम्बर की सुबह 7 बजे से 30 नवम्बर की शाम 6:30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 31 अक्टूबर 2023 को इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो ऐसी अवधि के कारावास से जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से दण्डनीय होगा।

रबी फसल हेतु उर्वरक व्यवस्था

माही की गूंज, झाबुआ

जिले में रबी मौसम 2023 हेतु कुल लक्षित रकबा 1.25691 हैक्टेयर प्रस्तावित है। जिसमें गेहूँ 93 हजार हैक्टेयर, चना 22 हजार हैक्टेयर तथा मक्का 9 हजार 5 सौ हैक्टेयर होकर बुआई कार्य प्रचलित है। अब तक गेहूं 3,605 हैक्टेयर, चना 3,925 हैक्टेयर तथा मक्का 718 हैक्टेयर में बुआई कार्य संपन्न हो चुका है। जिला कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा के निर्देशानुसार उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला झाबुआ एनएस. रावत द्वारा जिले के कृषको को रबी मौसम में उर्वरक सुगमता से उचित मुल्य पर उपलब्ध करवाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। रबी मौसम हेतु जिले में सहकारिता क्षेत्र एवं निजी अधिकृत विक्रेताओं के पास अद्यतन यूरिया 4946 मे. टन, डीएपी 2150 मे.टन, एमओपी 314 मे.टन, एसएसपी 1324 मे. टन तथा काम्पलेक्स 667 मे.टन उपलब्ध है। जिले के डबल लॉक केन्द्रो मे यूरिया झाबुआ में 510 मेट्रिक टन मेघनगर डबल लॉक मे 56 मेट्रिक टन पेटलावद डबल लॉक केन्द्र में 762 मेट्रिक टन विपणन सहकारी संस्था थांदला में 23 मेट्रिक टन एवं विपणन सहकारी संस्था मे 105 टन उपलब्ध है, जहां से नगद मे वितरण कार्य सुचारू रूप से संचालित है। इसके अतिरिक्त केडिट पर प्राथमिक सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा मे उर्वरक उपलब्ध है, जिले में सहकारी समितियों मे कुल 1654 मेट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है जिसमे से प्राथमिक सहकारी संस्था पेटलावद मे 63 मेट्रिक टन, बामनिया सहकारी संस्था मे 48 मेट्रिक टन, रायपुरिया सहकारी संस्था ने 46 मेट्रिक टन, झकनावदा सहकारी संस्था में 95 मेट्रिक टन, थांदला सहकारी संस्था मे 45 मेट्रिक टन खजूरी सहकारी संस्था मे 58 मे.टन, खवासा प्राथमिक सहकारी संस्था मे 47 मे.टन एवं परवलिया सहकारी संस्था मे 47 मे.टन उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के निजी उर्वरक विक्रेताओं के पास 1139 मेट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। निजी विक्रेताओं के प्रतिष्ठानो मे विक्रय दर एवं उर्वरक का स्टॉक प्रदर्शित करने के निर्देश दिये गये है। निजी उर्वरक विक्रेताओं से नगद में निर्धारित दर पर उर्वरक क्रय किया जा सकता है। यदि किसी विक्रेता द्वारा उर्वरक उपलब्ध होने के बाद भी उर्वरक देने से इन्कार किया जाता है या निर्धारित दर से अधिक दर पर विक्रय किया जाता है, तो कृषि अधिकारी को सूचित करें उस उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश के तहत कडी कार्यवाही की जाएगी।

उप संचालक कृषि श्री रावत द्वारा बताया गया कि जिले में उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाया गया है एवं उपलब्धता का स्तर बनाए रखने के लिये समय-समय पर उर्वरक आपूर्ति हेतु वरिष्ठालय को पत्र लेख भी किया जाता है तथा विभागीय विडीयो कान्फ्रेसिंग में भी उर्वरक आपूर्ति के संबंध में अवगत करवाया जाता है।

जिले में तीन विधानसभाओं के लिए अब 26 प्रत्याशी मैदान में मुख्य मुकाबला तो कांग्रेस-भाजपा के बीच ही रहेगा

कौन सा बागी कितना नुकसान पहुंचाएगा यह भविष्य के गर्त में

माही की गूंज, झाबुआ।

देश के पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों को लेकर अब माहौल गर्माता नजर आ रहा है। इन पांच राज्यों में मुख्य रूप से मध्यप्रदेश को काफी अहम माना जा रहा है। वैसे तो पिछले तीन माह से प्रदेश में राजनीति गर्माई हुई है, लेकिन निर्वाचन विभाग द्वारा चुनावी कार्यक्रम की घोषणा के बाद माहौल अपने पूरे चुनावी रंग में दिखाई दे रहा है। दोनों ही प्रमुख रातनीतिक दलों में हल्ला मचा हुआ है। टिकट वितरण में हुई उठा पटक के बाद चुनावी समीकरणों में काफी ऊंच-नीच दिखाई पड़ रही है। प्रदेश में भाजपा ने कई सीटों पर काफी पहले ही अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी थी। कारण यह था कि, इन सीटों पर होने वाली बगावत और डेमेज को कंट्रोल किया जा सके, लेकिन चुनाव कार्यक्रम घोषित होने तथा नामांकन जमा होने तक स्थितियां कुछ खास भाजपा के काबू में दिखाई नहीं पड़ रही है। दूसरी तरफकांग्रेस ने भी अपने प्रत्याशियों की घोषणा पूरी कर दी है और हालात लगभग भाजपा जैसे ही है। दोनों ही दलों में बागियों की भरमार है। अब यह देखने वाली बात होगी की कौन सा बागी किस पार्टी को कितना नुकसान पहुंचा पाएगा। राजनीतिक विशेषज्ञों का यह मानना है कि, दोनों ही दलों में बागी समीकरण बिगाड़ सकते है। मगर मुख्य रूप से मुकाबला तो कांग्रेस और भाजपा के बीच ही रहेगा।

मध्यप्रदेश के पश्चिमी छोर पर बसे आदिवासी बाहुल झाबुआ-आलीराजपुर जिले की बात करें तो झाबुआ जिले की तीन विधानसभाओं के लिए बी फार्म सहित करीब 42 नामांकन जमा हुए थे। नामांकन पत्रों की समीक्षा के बाद तीन विधानसभाओं में यहां अब 27 प्रत्याशी ही मैदान में है। जिले की तीनों विधानसभाओं को मिलाकर 6 नामांकन पत्र अस्वीकृत किए गए। आलीराजपुर जिले की दो विधानसभाओं के लिए लगभग 20 प्रत्याशी मैदान में थे। लेकिन समीक्षा के बाद 5 नामांकन यहां भी अस्वीकृत किए गए। अब कुल 17 प्रत्याशी यहां दो विधानसभाओं के लिए चुनावी मैदान में है। हालांकि इन आंकड़ों में अब भी तब्दीली की संभावनाएं बनी हुई है। क्योंकि 2 नवम्बर नाम वापसी की आखिर तारीख है वही झाबुआ सीट पर कांग्रेस अपने बागी जेवियर मैंड़ा को मनाने में सफल हो गई है और जिले में अब 26 उम्मीद्वार मेदान में है। इसके अलावा हो सकता है 2 नवम्बर को यह आंकड़े घटकर कुछ और कम हो जाए। लेकिन फिलहाल इसकी संभावना बहुत ही कम नजर आ रही है। क्योंकि पार्टी के मान मनोवल, रूठों को मनाने व बागियों को समझाने का क्रम लगभग खत्म हो चुका है। अब नाम निर्देशन पत्र वापसी के साथ ही प्रत्याशियों को महज 13 दिन अपने प्रचार-प्रसार के लिए मिलेंगे। यह वह समय होगा जो हर पार्टी और प्रत्याशी के लिए बहुत ही कीमती होगा। यही समय निर्णय भी करेगा की कौन कितना पानी में है।

फिलहाल प्रत्याशियों के नामांकन जमा होने के बाद समीक्षा की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। मुख्य दलों के प्रत्याशियों ने अपने नामांकन जमा करने के लिए रैलियों का आयोजन किया और दोनों ही दलों ने जमकर शक्ति प्रदर्शन किया है। इस शक्ति प्रदर्शन को कौन कितना अपने पक्ष में वोट में तब्दील कर सकेगा यह भविष्य के गर्त में है। हालांकि दोनों ही दलों के अपने-अपने दावे है। हां यहां यह नहीं कहा जा सकता कि, किस की नामांकन रैली में ज्यादा भीड़ उमड़ी थी। जानकारों के अनुसार दोनों ही पार्टियों की प्रत्याशी नामांकन रैली में लगभग एक जैसी ही भीड़ दिखाई दी है। जिससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि, किसकी नामांकन रैली में ज्यादा भीड़ थी। झाबुआ जिले की लगभग तीनों विधानसभा सीटों पर यही स्थिति देखने को मिली है। अगर नामांकन रैलियों के शक्ति प्रर्दशन से अंदाजा लगाया जाए तो नतीजा यह सामने आता है कि, जिले की तीनों विधानसभाओं पर मुख्य दो दलों के बीच जमकर टक्कर होगी। मगर इसमें कौन पार पा सकेगा यह पार्टियों के बागी ही तय करेंगे।

विधानसभा चुनावों को मद्देनजर रखते हुए प्रशासन मुस्तैद नजर आ रहा है। प्रशासनिक स्तर पर चुनावों को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है। आचार संहिता के मद्दे नजर सख्ती भी बरती जा रही है। प्रशासन का यह पूरा प्रयास है कि, आने वाला विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जा सके।फोटो 1 क्रः- 5

पलायन के बीच मनरेगा में चल रहे हजारो मजदूर, पेटलावद विकास खंण्ड में जारी है मनरेगा में गड़बड़ झाला

माही की गूंज, पेटलावद

चुनाव के समय ज्यादातर अधिकारी और शासकीय कर्मचारी विधानसभा चुनाव निपटाने की तैयारी में लगे है। दूसरी और बड़ी संख्या से ग्रामीण इलाकों से पिछले एक माह से ग्रामीण मजदूरी के लिए अन्य जिलों व राज्यो में पलायन कर गए हैं। जनपद पंचायत पेटलावद के अंतर्गत आने वाली कई पंचायतों की आनलाईन मजदूरी की जानकारी निकाली तो पता चला कि, आचार सहिंता लगने के बाद से लगातार विकास खण्ड की कई ग्राम पंचायतों में मनरेगा अंतर्गत कार्य चल रहे हैं। जिंसमे 8 से 10 हजार मजदूर रोज मजदूरी अलग-अलग कार्यो में रिकॉड पर कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात यही है कि, एक और ग्राम पंचायतों में कोई बड़े कार्य चल नही रहे और दूसरी और जिस समय मे सरकारी रिकॉड में मजदूरो का काम करना बताया जा रहा है उस समय मे ज्यादातर मजदूर पलायन पर बहार मजदूरी पर है। मनरेगा रिकॉर्ड के अनुसार जिन कार्यो के चलना ओर मजदूरों का काम करना बताया जा रहा है यदि मौके उनकी जांच की जाए तो कई कार्यो का बड़ा फर्जीवाड़ा के खुलासा हो सकता है। पूर्व में विकास खण्ड की कई पंचायतों से भारी मशीनों द्वारा मनरेगा के कार्य करने के वीडियो सामने आ चुके हैं और कई ग्रामीणों द्वारा इसकी शिकायत भी की जा चुकी हैं लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई।

पहले नामांकन फार्म लेने के बाद मैदान में उतरने का दावा करते जनपद अध्यक्ष।

खबर चटपटी...

जनपद अध्यक्ष रमेश सोंलकी के बागी सुर हुए बेसुरे

भाजपा के कई नेता पर्दे के पीछे से कर रहे थे खेल, संगठन में अंदरूनी तोर पर नाम हुआ उजागर

माही की गूंज, पेटलावद

बाद में नामांकन फार्म भरने वाली भाजपा प्रत्याशी निर्मला भूरिया के साथ मौजूद रहे जनपद अध्यक्ष।

विधानसभा चुनाव में विधायक के सपने दिखाकर कुछ नेता अपने विरोधियों को निपटाने के उद्देश्य से नए-नए नेताओं को बड़े-बड़े सपने दिखाकर मैदान में उतार देते है। और फिर खुद मैदान छोड़कर मैदान में उतरे नेता को अकेला छोडकर उसके राजनीति जीवन पर बागी का बट्टा लगा देते है। पेटलावद विधानसभा सभा में भी ऐसा ही कुछ देंखने को मिला जब संगठन को पोला करने वाले कुछ नेता अपनी पार्टी को नुकसान पहुँचाने के लिए भाजपा के घोषित प्रत्याशी के खिलाफएक नेता को उम्मीद्वारी के लिए तैयार करते हैं।

पेटलावद विकास खण्ड के उम्मीद्वार होने के सपने दिखाए जाते हैं क्षेत्र के एक धार्मिक स्थल पर बागी के पक्ष में माहौल बनाने के किये विकास खण्ड के कुछ सरपंच, जनपद सदस्यों सहित भाजपा संगठन के जिले के पदाधिकारी और मण्डल स्तर के दायित्वान भाजपा नेता मिलकर भाजपा कोटे से पेटलावद जनपद अध्यक्ष बने रेमश सोलंकी को चुनाव मैदान में उतरने को तैयार कर दिया। घोड़े पर सवार नेता जी नामांकन आवेदन लेने भी पहुँच गये और मीडिया के सामने बड़े बोल के साथ मैदान में उतरने का दावा कर के भाजपा में खलबली मचा दी। बताया जा रहा है जनपद अध्यक्ष के साथ नामांकन के समय कई बड़े भाजपा नेता और संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। हमारे सूत्र बताते हैं कि, रमेश की चने के झाड़ पर चढ़ाने में पेटलावद विधानसभा के मण्डल और जिले के पदाधिकारि ने पद से इस्तीफा देने की बात कही थी, लेकिन अंतिम समय मे सब धोखा देकर बदल गए और रमेश सोंलकी को अकेला छोड़ दिया। खिसयानी बिल्ली खम्बा नोचे के तर्ज पर जनपद अध्यक्ष के पास कोई रास्ता नही बचा और

बागी उम्मीद्वार बनकर उतर रहे रमेश सोलंकी के सुर समय से पहले ही हुए बेसुरे हो गये और अचानक से भाजपा नेताओं के साथ घूमने लग गए। इतना ही नही भाजपा की नामांकन रैली में बागी बने रमेश सोलंकी भाजपा प्रत्याशी के साथ नामांकन जमा तक करने गए। भाजपा से भले बागी उम्मीद्वार मैदान में नही उतरे लेकिन भाजपा में रहकर भाजपा की कब्र खोदने वालो के काले चहरे उजागर हो गये। हालांकि भाजपा के बड़े नेताओं ने इन दगाबाज नेताओं पर कोई कार्यवाही नही करते हुए उनको भाजपा द्वारा घोषित प्रत्याशी के पक्ष में काम करने के लिए कड़ा दबाब बनाया है और चुनाव के बाद इन पर कार्यवाही होने की संभावना है। उधर लोट के बुद्दु घर को आये के तर्ज पर अपनी इज्जत का पंचनामा बनवाकर जनपद अध्यक्ष रमेश सोंलकी अब भाजपा प्रत्याशी के साथ-साथ नजर आ रहे हैं और आँखे बंद कर उनके साथ मैदान में उतरे कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता उनका सहयोग कर खुद परेशानी में घिर गए।

सरदार पटेल ने देश की एकता में ही अखंडता निहित होने के भाव को प्रकट किया था

नगर में निकला चल समारोह, अनेक स्थानों पर हुआ स्वागत

माही की गूंज, पेटलावद

अखंड भारत के शिल्पी भारत रत्न लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148 वीं जन्म जयंती को झाबुआ जिले के पाटीदार समाजजनों द्वारा सामूहिक रूप से पेटलावद के एक निजी मैरिज गार्डन में बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। सरदार पटेल की जयंती मनाने के लिए समाजजन विगत दो माह से इसकी तैयारी में लगे हुए थे। विभिन्न आयोजनों को लेकर उनके द्वारा समितियां बनाकर अलग-अलग कामकाज सुपुर्द किए गए थे। झाबुआ जिले के लगभग 30 गांव में पाटीदार समाज निवास करता है जिन्हें कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीयों के माध्यम से हर गांव में आमंत्रण पत्रिका भी पहुंचाई गई। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को कार्यक्रम में आने के लिए निमंत्रण दिया गया था। सुबह सबसे पहले निजी गार्डन में समाजजन एकत्रित हुए जहां से चल समारोह पेटलावद नगर के मुख्य मार्ग से पर श्रद्धांजलि चौक से लेकर गांधी चौक तक सरदार पटेल के जय-जय करो के साथ नारे लगाते हुए निकले। नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह समाजसेवी संस्थाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों द्वारा चल समारोह में फुल बरसाकर स्वागत किया गया। उसके बाद पुनः गार्डन में पहुंचकर एक महासभा का आयोजन किया गया।

यहां पर कार्यक्रम की शुरुआत में बालिकाओं द्वारा गणेश वंदना पर सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। उसके बाद पदाधिकारी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि, सरदार पटेल ने देश के विभिन्न रियासतों में बंटे होने के कारण उन्हें एक करने के लिए अपनी जी जान लगा दी थी। और उन्होंने बताया था कि, राष्ट्र निर्माण के लिए देश के नागरिकों का अपने देश के प्रति एकता का भाव लेकर चलना बहुत जरूरी है। देश पर लगातार विदेशी आक्रांताओं द्वारा देश में फूट डालकर राज करने की नीति अपनाई गई थी। इसीलिए सरदार पटेल ने देश की एकता में ही अखंडता निहित होने के भाव को प्रकट किया था। यहां पर समाज के विभिन्न मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर के सम्मान किया गया। वहीं मंच के माध्यम से समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने एवं हर बालक-बालिका को उच्च शिक्षा प्राप्त हो उसके लिए भी प्रयास करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रांत अध्यक्ष कृष्णकांत पटेल, कोषाध्यक्ष मध्य प्रदेश पाटीदार समाज, विशेष अतिथि नरेंद्र वेदिया, विशेष अतिथि प्रांताध्यक्ष जय सरदार सेना महिला संगठन मप्र, आशाबेन पाटीदार, विशेष अतिथि वीरेंद्र व्यास, अध्यक्ष मध्य प्रदेश पाटीदार समाज अशोक पाटीदार, युवा अध्यक्ष बलराम पाटीदार, सरदार सेना जिला अध्यक्ष निलेश पटेल, पुरुषोत्तम पाटीदार, प्रहलाद पाटीदार, गोवर्धन पाटीदार, हरिओम पाटीदार, रामप्रसाद पाटीदार, ईश्वर लाल पाटीदार, मनीष पाटीदार, नाथूलाल पाटीदार, रतनलाल पाटीदार, सुभद्रा पाटीदार, धापू पाटीदार, मंजूबेन पाटीदार, रिंकूबाला पाटीदार, मुकेश पाटीदार, आशाराम पाटीदार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में चल समारोह के दौरान पुलिस प्रशासन भी मुस्तेदी के साथ पूरे समय साथ खड़ी रही और आवागमन एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। संचालन अध्यापक हरिराम पाटीदार एवं दिनेश पाटीदार ने किया।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर कलेक्टर कार्यालय परिसर में किया ध्वजारोहण

माही की गूंज, झाबुआ

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर झाबुआ जिले में कलेक्टर कार्यालय परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। कलेक्टर कार्यालय परिसर स्थित गार्डन में प्रातः 9 बजे कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं राष्ट्रीय गान के पश्चात् सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्राओ द्वारा देशभक्ति एवं लोकगीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में स्वीप एप्लीकेशन का विमोचन कर सभी के द्वारा मतदाता जागरूकता की शपथ ली गई। कार्यक्रम का समापन मध्यप्रदेश गान के साथ किया गया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अगम जैन, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती रेखा राठौर, अपर कलेक्टर एस.एस. मुजाल्दा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीएल कुर्वे, संयुक्त कलेक्टर भूपेन्द्र रावत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अंकिता प्रजापति सहित समस्त जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

37वें नेशनल गेम्स में जिले का खिलाड़ी करेगा प्रतिभागिता

माही की गूंज, झाबुआ

गोवा में आयोजित हो रहे 37वें नेशनल गेम्स 2023 में झाबुआ जिले का हैण्डबाल खिलाडी अरविंद भाबोर मध्यप्रदेश के दल के साथ सहभागिता करेगा। जिला खेल अधिकारी विजय कुमार सलाम ने बताया कि, नेशनल गेम्स 2023 के लिये जबलपुर में आयोजित हैण्डबाल चयन स्पर्धा में झाबुआ जिले का हैण्डबाल दल सम्मिलित हुआ था। चयन स्पर्धा में खेल प्रदर्शन के आधार पर झाबुआ जिले के खिलाडी अरविंद भाबोर का चयन मध्य प्रदेश के दल में हुआ हैं एवं जिला हैण्डबाल प्रशिक्षक अवलोक शर्मा भी दल प्रबंधक के रूप में शामिल होगें।

खेल और युवा कल्याण विभाग के इस उपलब्धि पर कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा, पुलिस अधीक्षक अगम जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रेखा राठौर, अपर कलेक्टर एसएस मुजाल्दा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीएल कुर्वे आदि ने खिलाडी एवं प्रशिक्षक को बधाई दी एवं खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिये शुभकामनायें दी।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत मशाल, कैंडल रैली का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ

कलेक्टर जिला झाबुआ एवं सीईओ जिला पंचायत, जिला स्वीप नोडल के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत पेटलावद में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मशाल तथा केंडल रैली तहसील कार्यालय से श्रद्धांजलि चौक तक निकाली गई। मशाल, कैंडल रैली में सम्मलित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा मतदाता जागरूकता के नारे लगाए गए। इस रैली का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरूक करना एवं मतदान के प्रतिशत बढ़ाना था। इस दौरान मशाल, कैंडल रैली में अनुविभागीय अधिकारी अनिल कुमार राठौर, तहसीलदार श्री निगवाल, नायब तहसीलदार श्री सालवी, जनपद पंचायत सीईओ राजेश दीक्षित, थाना प्रभारी राजू बघेल, सीएमओ श्रीमती आशा भंडारी, परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास सुश्री इशिता मशानिया, बीआरसी श्रीमती रेखा गिरी एवं अन्य विभागीय अधिकारीगण व कर्मचारीगण आदि सहभागी रहे।

महाविद्यालय में मनाया मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

माही की गूंज, थांदला

1 नवंबर 1956 वह तारीख थी, जिस दिन मध्य प्रदेश राज्य अस्तित्व में आया था। आज हम अपने देश के हृदय प्रदेश का 68 वां स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसी के साथ 17 नवंबर 2023 को होने वाले विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए जागरुकता महापर्व भी मना रहे हैं। लोकतंत्र के इस महापर्व में प्रत्येक प्रदेशवासी का कर्तव्य एवं जिम्मेदारी है कि, वह स्वयं के साथ ही अपने परिवार, पड़ोस, गांव, फलिए ,गली ,मोहल्ले में शत-प्रतिशत मतदान हेतु जागरूकता अभियान में सहभागिता करें ,उक्त विचार महाविद्यालय में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित मतदान पर्व पर अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ जी सी मेहता ने व्यक्त किये। कार्यक्रम का प्रारंभ मध्य प्रदेश गान ÷सुख का दाता,

सबका साथी÷ के साथ किया गया। डॉ पीटर डोडियार प्रो. एस एस मुवेल व पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष प्रताप कटारा ने मध्य प्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मतदाता जागरुकता पर अपने विचार व्यक्त किए। मतदाता जागरुकता पर आधारित भाषण प्रतियोगिता में अनुसुइया राठौर, कृतिका डामर, नीरज सोनी, अजय भाबर ने अपने विचार व्यक्त किए। सुंदर व आकर्षक रंगोली के माध्यम से अभिषेक पलासिया, खुशी सवाल, टीना, निशा, हर्षिता, उर्वशी, रवीना प्रियंका, पुष्पा, पपीता सिंगाड, मोनिका, आशा, अनीता, रीना, निर्मला आदि ने मतदाता जागरुकता का संदेश दिया। प्रो.विजय मावी एवं प्रो. हिमांशु मालवीया के निर्देशन में विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर एवं डीजे पर सामुहिक लोकनृत्य के माध्यम से मतदान जागरूकता का संदेश दिया। पोस्टर निर्माण एवं मतदाता जागरुकता पर स्लोगन प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने सहभागिता की। भावना डाबी, खुशी सवाल, टीना पंचाल ने हाथों में मेहंदी द्वारा भी मतदान संदेश प्रेषित किया गया। इन प्रतियोगिताओ आयोजन में प्रो. कंचना बारस्कर,डॉ दीपिका जोशी,डॉ. मंजुला मंडलोई, डॉ.राकेश चौरे,डॉ. जी. डी भालसे ,प्रो सी एस चौहान प्रो. एस डोडवे,प्रो. रितु सिंह राठोर डॉ.सुनीताराजसोलंकी, डॉ. आर एस चौहान विजय मावडा, दिनेश मोरिया सहित समस्त स्टॉफ का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीना मावी एवं आभार डॉ छगन वसुनिया ने माना।

संपादकीय

चंदे के धंधे जानने का हक तो है

यह अटपटा सा लगता है जब भारतीय लोकतंत्र में सबसे बड़ा कानून का अधिकारी यानी अटॉर्नी जनरल कहे कि जनता को राजनीतिक दलों के चंदे का स्रोत जानने का अधिकार नहीं है। लोकतंत्र की सर्वमान्य परिभाषा है 'जनता का शासन, जनता के द्वारा और जनता के लिए।' इस सूत्र-वाक्य से ये कहीं स्पष्ट नहीं होता है कि जनता से ऊपर राजनीतिक दलों का स्थान है। मौजूदा लोकतांत्रिक विसंगतियों व विद्रूपताओं के चलते आज स्थिति यह उत्पन्न हो गई है कि राजनीतिक दल अपने श्वेत-स्याह चंदे के स्रोतों पर जनता से परदादारी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, चुनावी बॉन्ड को लेकर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ में होने वाली सुनवाई से कुछ दिन पहले अटॉर्नी जनरल ने यहां तक कह दिया कि, सुप्रीम कोर्ट को भी नीतिगत मुद्दों पर फैसला देने का अधिकार नहीं है। इसी घटनाक्रम के आलोक में यहां उल्लेखनीय है कि देश की शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी व्यवस्थाएं दी हैं, जिससे देश में पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त हो सका है। ऐसे ही ऐतिहासिक आदेश राजनीति में दागी जनप्रतिनिधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में दिये गए हैं। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत द्वारा वर्ष 2003 में दिये गए एक मार्गदर्शक फैसले ने हर दागी प्रत्याशी को बाध्य किया था कि वह अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि का विवरण सार्वजनिक करे। इस बाबत कोर्ट का कहना था कि यह जानना मतदाता का हक है। कमोबेश यही स्थिति चुनावी चंदा जुटाने के बाबत भी मानी जानी चाहिए। लोकतंत्र की शुचिता इस बात पर निर्भर करती है कि चुनाव की प्रक्रिया में खर्च होने वाला धन कानूनसम्मत स्रोतों से ही मिला हो। यह भी पता हो कि विभिन्न राजनीतिक दलों ने किन व्यापारिक घरानों तथा उद्योगपतियों से चंदा जुटाया है। ताकि भविष्य में सरकार बनाने पर राजनीतिक दल द्वारा चुनाव के दौरान लिये गए चंदे के एवज में जनता के हितों की कीमत पर लाभ पहुंचाने की कोशिश न की जा सके। उल्लेखनीय है कि जब संसद में चुनावी बॉन्ड के प्रावधान को कानून का रूप देने का प्रयास किया जा रहा था तो तत्कालीन वित्तमंत्री की दलील थी कि इस कानून के अस्तित्व में आने से जहां चुनाव के लिये चंदा जुटाने में पारदर्शिता आएगी, वहीं भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाया जाएगा। लेकिन एजी के बयान से तो कम से कम वह मंशा जाहिर नहीं होती है। निस्संदेह जनता को पता होना चाहिए कि किस राजनीतिक दल ने किस कॉर्पोरेट घराने से कितना चंदा लिया है। इसमें दो राय नहीं कि कॉर्पोरेट घराने भी सत्ता की हवा भांपकर उसी अनुरूप चंदा देते हैं। एक तरह से यह उनका आर्थिक निवेश ही होता है, ताकि कालांतर लोकतंत्र में पूंजीतंत्र का पोषण हो सके। यहां उल्लेखनीय है कि चुनावी बॉन्ड को लेकर कानूनी प्रावधान है कि चंदा देने वाला व्यक्ति डिजिटल पेमेंट करके एसबीआई के बॉन्ड खरीदता है। कानून के अनुसार राजनीतिक दल व बैंक चंदा देने वाले का नाम उजागर करने के लिये बाध्य नहीं हैं। इसकी वजह से केंद्र सरकार की वित्तीय नियामक संस्थाओं को पता होता है कि कहां से चंदा आया। जिसके चलते सरकार तो जान सकती है कि विपक्षी दल के पास चंदा किस स्रोत से आया है, लेकिन विपक्ष यह नहीं जान सकता कि सरकार को कितना चंदा मिला है और किससे मिला है। जाहिर है इसका लाभ सत्तारूढ़ दल को मिलता है। साथ ही चंदे की ज्यादा मात्रा भी उसके खजाने में आती है। यही वजह है कि कहा जा रहा है कि सत्तारूढ़ दल को कुल चंदे का दो तिहाई हिस्सा मिला है। कह सकते हैं कि इस प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी झलकती है। बहरहाल, लोकतंत्र की शुचिता इस बात पर निर्भर करती है कि किस तरह संसाधनों से चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई है। जाहिरा तौर पर नियम विरुद्ध और अपवित्र स्रोत से अर्जित धन कालांतर लोकतंत्र की पवित्रता पर आंच ही लाएगा। निश्चित रूप से जनता की जागरूकता व न्यायिक सक्रियता ही चुनावी चंदे के धंधे में पारदर्शिता लाने में सक्षम हो सकती है।

बदलाव जारी रहेगा या फिर टूटेगा रिवाज

-हरिश मलिक

राजस्थान में तीन दशक से रिवायत रही है कि जनता-जनार्दन हर पांच साल बाद सरकार को बदल देती है। पांच साल के लिए भाजपा और पांच साल के लिए कांग्रेस के इस रिवाज को इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बदलने का दावा कर रहे हैं और ताल ठोक रहे हैं कि उनकी सरकार 156 सीटों के साथ रिपीट होगी। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इमेज पर सवार भाजपा थिंक टैंक का मानना है कि करप्शन-कुशासन और कांग्रेसियों की आपसी लड़ाई से परेशान राजस्थान की जनता गहलोत सरकार को डिलीट करके एक बार फिर चौतरफा विकास के लिए राज्य की बागडोर भाजपा को सौंपने की तैयारी कर चुकी है। भाजपा ने पार्टी के भीतर किसी भी चुनावी कलह को समाप्त करने के लिए सामूहिक नेतृत्व का मंत्र फूंका है। यानी चुनावी चेहरा, कमल का निशान और पीएम मोदी ही रहेंगे। पार्टी की चुनावी व्यूह रचना भी इसी के ईद-गिर्द है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए शंखनाद भले ही कुछ समय पहले हुआ हो, लेकिन पीएम मोदी का राजस्थान पर विशेष फोकस पिछले एक साल से है। इस अवधि में वे प्रदेश के 11 दौरे कर चुके हैं और अरबों के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण कर चुके हैं। पीएम ने प्रदेश की 200 में से करीब 125 विधानसभाओं के मतदाताओं को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से खुद के साथ जोड़ने का प्रयास किया है। इनमें से सिर्फ41 सीटें भाजपा ने 2018 के विधानसभा चुनाव में जीती थीं। यानी आधी से ज्यादा वो सीटें हैं, जो अभी दूसरे दलों या निर्दलीयों के खाते में हैं। भाजपा की रणनीति इन्हीं सीटों पर सेंध लगाने और खुद के गढ़ को और मजबूत करने की है। इसी रणनीति के तहत पीएम हर बार अलग-अलग संभागों में जा रहे हैं, ताकि सभी जिलों में पार्टी मजबूत हो। यही वजह है कि वे मारवाड़ से मेवाड़ तक, आदिवासी अंचल से गुर्जर बहुल विधानसभाओं तक, जाट-राजपूतों से लेकर आस्था केंद्रों तक और राजधानी से सीएम के गृह जिले तक हुंकार भर चुके हैं।

चुनाव आयोग द्वारा तिथि बदलने के बाद राजस्थान में अब मतदान 25 नवंबर को होगा और नतीजे 3 दिसंबर को आएंगे। अहम सवाल यह उठ रहा है कि प्रदेश में बदलाव की परम्परा कायम रहेगी या रिवाज टूटेगा! मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सरकार रिपीट करने के लिए अपना पूरा प्रशासनिक व राजनीतिक कौशल झोंक रखा है। खासकर इस साल बजट के साथ ही वे चुनावी मोड पर आ गए और जनता के हर वर्ग के लिए कई लोकलुभावन और फ्री योजनाओं की झड़ी लगा दी। उन्होंने महिलाओं, मध्यम वर्ग, किसानों, व्यापारियों और जातिगत वोट बैंक को साधने की खूब कोशिश की है। युवा वर्ग जरूर रोजगार और नौकरी न मिलने से, पेपर लीक माफिया के हावी होने से सरकार से नाराज है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कांग्रेस हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में मिली चुनावी सफलता का सिलसिला यहां भी बरकरार रख पाएगी?

राजस्थान के चुनावों में करप्शन और लाल डायरी के बाद ईडी ने एंट्री मार ली है। पीएम मोदी से लेकर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा तक लाल डायरी को मुद्दा बना रहे हैं। इसके साथ ही राजस्थान की चारों दिशाओं में चार परिवर्तन यात्राओं में सामूहिक नेतृत्व का मंत्र फूंकने की रणनीति नजर भी आई। राज्य के बजाय केंद्रीय नेताओं ने इन यात्राओं का आगाज किया और समापन पर खुद पीएम मोदी ने जयपुर आकर कांग्रेस को ललकारा। दूसरी ओर कांग्रेस ने चुनाव से ऐन पहले ईडी के छापों को राजनीतिक मुद्दा बनाया है। कांग्रेस का कहना है कि बीजेपी दबाव बनाने की राजनीति कर रही है। बता दें कि ईडी ने हाल ही में पेपर लीक मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के कई ठिकानों पर छापे मारे हैं। इतना ही नहीं, सीएम गहलोत के पुत्र और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत भी ईडी के रडार पर हैं। ईडी ने उन्हें विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत समन भेजकर दिल्ली तलब किया है।

पीएम मोदी के काम और नाम भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हैं और कांग्रेस इस ताकत का तोड़ जातीय सर्वेक्षण और ओबीसी आरक्षण में देख रही है। कांग्रेस कार्यसमिति की हैदराबाद बैठक में पारित प्रस्तावों से यह साफ हो गया था कि अब पार्टी की चुनावी रणनीति के यह दो अहम हथियार होंगे। महिलाओं के लिए विधायिका में आरक्षण को तत्काल लागू करने और ओबीसी आरक्षण को बढ़ाने यानी जिसकी जितनी आबादी, उसको उतना हक वाली थीम पर चलते हुए कांग्रेस मोर्चाबंद हो रही है। राजस्थान में जातिगत सर्वे के साथ ही कांग्रेस पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को चुनावी मोर्चे पर ले आई है और वह इसके सहारे वोटों की फसल काटना चाहती है। 13 जिलों की करीब 85 सीटों को प्रभावित करने वाली ईआरसीपी को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय परियोजना में शामिल नहीं किया है। कांग्रेस इसी को मुद्दा बनाकर पूर्वी राजस्थान में अपनी व्यूह रचना कर रही है। यह सर्वविदित है कि भाजपा की हाल की चुनावी सफलताओं में ओबीसी मतों की अहम भूमिका रही है। इसका अर्थ यह नहीं है कि ओबीसी में शामिल सभी जातियां भाजपा के समर्थन में खड़ी थीं। लेकिन भाजपा ने राज्यों की सामाजिक संरचना के अनुसार जातीय समीकरण बनाए और वह उनको वोटों में तब्दील करने में कामयाब रही। जैसे उत्तर प्रदेश में भाजपा को पता था कि सर्वाधिक ओबीसी वोट यानी यादव मत उसके पाले में नाममात्र के रहेंगे तो उसने गैर यादव ओबीसी मतों को एकजुट कर समीकरण साधे। लेकिन राजस्थान में तो भाजपा ओबीसी के सबसे बड़े मतदाता समूह को अपने साथ रखकर चलने की कोशिश कर रही है। राजस्थान भाजपा में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया की वापसी और पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा और जयपुर की पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल का पार्टी में आना इसी रणनीति का हिस्सा है। अभी राजनीति के कुछ और बड़े नाम हैं, जिन्हें भाजपा में मिलाने की हरचंद कोशिशें चल रही हैं।

राजस्थान सरकार ने जातिगत सर्वेक्षण का आदेश पहले ही जारी कर दिया है। चुनावी मोर्चाबंदी में सीएम गहलोत का यह बड़ा चुनावी दांव है। राजस्थान में पिछले दो तीन महीनों में अगड़े- पिछड़े सभी जातीय समुदायों के सामाजिक सम्मेलन हुए, जिसमें ओबीसी में शामिल अग्रणी जातियों के सम्मेलन भी शामिल हैं। राज्य के सबसे बड़े व सबसे समर्थ ओबीसी समाज जाट समाज के सम्मेलन में ओबीसी आरक्षण को बढ़ाने और जातीय जनगणना की मांग प्रमुखता से उठी। इसके अलावा ओबीसी की अन्य जातियां जो आरक्षण का अभी तक समुचित फायदा नहीं उठा सकी हैं, उन्होंने भी अपने-अपने स्तर पर ओबीसी आरक्षण को तार्किक रूप से विभाजित करने की मांग उठाई और अपने लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग की। जातिगत सर्वेक्षण के सरकार के इस फैसले में ओबीसी की कमजोर जातियों को अपने लिए कुछ अच्छा नजर आ सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि भ्रष्टाचार और बदहाल कानून व्यवस्था को लेकर गहलोत सरकार को लगातार घेर रही भाजपा इस चुनौती का क्या तोड़ निकालती है।

इजरायल द्वारा रासायनिक हथियारों से हमास पर हमला... ?

-सनत कुमार जैन

स्पंज बम से सुरंग में छिपे सेकड़ों हमास के आतंकवादियों के मरने की खबर है। गाजा पट्टी में जमीन के अंदर सुरंग का नेटवर्क समाप्त करने, हमास के आतंकवादियों को खत्म करने के लिए रासायनिक हथियारों का उपयोग इजराइल की सेना द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। गाजा पट्टी पर पहले फास्फोरस बम का उपयोग किया गया था। अब सुरंग में छिपे आतंकवादियों को खत्म करने के लिए स्पंज बम का इस्तेमाल किया जा रहा है।दुनिया में पहली बार रासायनिक हथियारों का उपयोग इतने बड़े पैमाने पर खुले तौर पर इजरायल द्वारा किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाजा में जमीन के अंदर 500 किलोमीटर के सुरंग नेटवर्क में छिपे आतंक वादियों को, खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर स्पंज बम का उपयोग इजरायली सेना द्वारा किया जा रहा है। स्पंज बम के हमले से सुरंग में छिपे आतंकवादी दम घुटने से मौत का शिकार हो रहे हैं। इसके पहले इजरायल द्वारा फास्फोरस बम का इस्तेमाल किया गया था। रासायनिक हथियारों के उपयोग पर संयुक्त राष्ट्र संघ अथवा सुरक्षा परिषद ने कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। अब रासायनिक हथियारों से युद्ध लड़ने की एक नई शुरुआत इजरायल से शुरु हो गई है। स्पंज बम को केमिकल ग्रेनेड भी कहा जाता है। इसमें खास तरीके के केमिकल होते हैं। विस्फोट के बाद इसमें बड़ी मात्रा में फोम निकलता है। जो कुछ ही देर में बहुत कठोर परत के रूप में अपना स्थान बना लेता है। फोम से कठोर परत बनने के बाद सुरंग में हवा भी नहीं जा सकती है। इस परत को किसी भी तरह से काटा नहीं जा सकता है। सुरंग के अंदर जो भी होगा, वह दम घुटने से कुछ ही घंटे में अपने आप मर जाएगा।

स्पंज बम को प्लास्टिक के कंटेनर में दो तरल पदार्थ को अलग-अलग करके रखा जाता है। इसके बीच में मेटल शीट होती है।जैसे ही स्पंज बम में विस्फोट किया जाता है। दोनों तरल पदार्थ मिलाकर फोम बनाना शुरू कर देते हैं। खाली जगह में फोम की ठोस परत बन जाती हैं। इसे भेदना किसी के लिए संभव नहीं होता है। दावा किया जा रहा है कि स्पंज बम का लापरवाही से उपयोग करने के कारण इजराइल के सैनिक भी अपने आंखों की रोशनी गंवा चुके हैं। हमास के आतंकवादियों ने सुरंग में बंधकों को भी रखा है। इजरायली सेना के स्पंज बम से आतंकवादियों के साथ - साथ बंधकों के मारे जाने का भी खतरा बढ़ गया है। इस बारे में इजराइल सरकार का कोई अधिकृत बयान नहीं आया है।

इजरायल की सेना 500 किलोमीटर के सुरंग नेटवर्क को तहस नहस करने के लिए बड़े पैमाने पर स्पंज बम का उपयोग कर रही है।इजरायली सेना के लड़ाकू सुरंग के हर मुहाने को स्पंज बम से ढकने का काम कर रहे हैं। इजरायली सेना इसमें सफल हो गई, तो फिलिस्तीन का सुरंग नेटवर्क अपने आप समाप्त हो जाएगा। 2003 में अमेरिका ने इराक पर आक्रमण किया था। अमेरिका ने इराक पर आरोप लगाया था, कि सामूहिक विनाश के हथियार ईराक तैयार कर रहा हैं। उनमें सबसे बड़ा आरोप रासायनिक हथियार का था। युद्ध समाप्त होने के बाद रासायनिक हथियार होने के कोई भी प्रमाण नहीं मिले थे। अमेरिकी युद्ध में इराक जरुर बर्बाद हो गया। 2006 में इराक के राष्ट्राध्यक्ष सद्दाम हुसैन को फांसी की सजा अमेरिका ने दे दी। अमेरिका और इराक युद्ध में करीब 17690 इराकी सेना के जवान और अधिकारी मारे गए थे। 40000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। गठबंधन की सेना के भी 4821 सैनिक मारे गए थे। जिसमें 4000 से ज्यादा विदेशी लडाके थे। एक तरह से अमेरिका ने इराक पर कब्जा कर लिया था। लेकिन ज्यादा दिनों तक अमेरिका अपना कब्जा बनाकर नहीं रख पाया। 2011 में अमेरिकी सेना की वापसी हुई। जिन रासायनिक हथियारों की आशंका को लेकर इराक पर इतना बड़ा हमला किया गया था। आज इजराइल में वही रासायनिक हथियारों का उपयोग बड़े पैमाने पर किया जा रहा हैं। अमेरिका, रूस और चीन जैसे महाशक्तिशाली देश चुपचाप तमाशा देख रहे हैं। सारी दुनिया के देश चुपचाप हैं। यह आश्चर्यचकित करने वाली घटना है। रासायनिक हथियारों का उपयोग परमाणु हथियार से भी ज्यादा घातक सिद्ध होते हैं। यही चिंता का सबसे बड़ा कारण बयन गया है।

सुहागिनों का सबसे बड़ा त्यौहार है करवा चौथ

-योगेश कुमार गोयल

करवा चौथ पर्व का हमारे देश में विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है 'करवा चौथ' व्रत, जो इस वर्ष 1 नवम्बर को मनाया जा रहा है। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्यौहार है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्ध्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कठिन माना जाता है।

कहा जाता है कि, इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरन्तर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इसका उद्यापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी यह व्रत कर सकती हैं। आजकल तो कुछ पुरूष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कठिन तप में उनके सहभागी बनते हैं। दिनभर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्ध्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यन्त अपने पति के प्रति तन, मन, वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगी। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार 'करवा चौथ' व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होते नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपवास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियों ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चात् दिनभर की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई। करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और श्रीकृष्ण को अपने मन की व्यथा बताई। द्रोपदी की बात सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पार्वती देवी ने भी एक बार भगवान शिव से बिल्कुल यही प्रश्न किया था और तब भगवान शिव ने उन्हें कहा था कि करवा चौथ का व्रत गृहस्थी में आने वाली तमाम छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करता है। द्रोपदी ने श्रीकृष्ण से करवा चौथ के व्रत के संबंध में विस्तार से बताने का आग्रह किया तो श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को इस व्रत के महत्व को दर्शाती कथा सुनानी आरंभ की।

भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि इन्द्रप्रस्थ नगरी में वेद नामक एक धर्मपरायण ब्राह्मण के सात पुत्र व एक पुत्री थी। विवाह के बाद जब पुत्री पहली करवा चौथ पर मायके आई तो उसने मायके में ही करवा चौथ का व्रत रखा लेकिन चन्द्रोदय से पूर्व ही उसे भूख सताने लगी तो अपनी लाड़ली बहन की यह वेदना भाईयों से देखी न गई। उन्होंने बहन से व्रत खोलने का आग्रह किया पर वह इसके लिए तैयार न हुई। तब भाईयों ने मिलकर एक योजना बनाई। उन्होंने एक पीपल के वृक्ष की ओट में प्रकाश करके बहन को कहा कि देखो चन्द्रमा निकल आया है। बहन भोली थी, इसलिए भाईयों की बात पर विश्वास करके उसने उस प्रकाश को ही चन्द्रमा मानकर उसे ही अर्ध्य देकर व्रत खोल लिया लेकिन जब अगले दिन वह ससुराल पहुंची तो पति को बहुत बीमार पाया। दिन ब दिन पति की बीमारी बढ़ती गई और सारी जमा पूंजी पति की बीमारी में ही लग गई तो उसने मंदिर में जाकर गणेश जी की स्तुति करनी शुरू की। उसकी प्रार्थना पर प्रसन्न होकर गणेश ने उसके समक्ष प्रकट होकर कहा कि तुमने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान से नहीं किया, इसीलिए तुम्हारे पति की यह दशा हुई है। यदि तुम यह व्रत पूरे विधि विधान एवं निष्ठा के साथ करो तो तुम्हारा पति पूरी तरह ठीक हो जाएगा। उसके बाद उसने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया और इसके प्रभाव से उसका पति ठीक हो गया। यह कथा सुनाने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी से कहा कि यदि तुम भी इसी प्रकार विधिपूर्वक सच्चे मन से करवा चौथ का व्रत करो तो तुम्हारे समस्त संकट अपने आप दूर हो जाएंगे। तब द्रोपदी ने करवा चौथ का व्रत रखा और उसके व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में पांडवों की विजय हुई। अतः करवा चौथ के व्रत के उद्गम को इस प्रसंग से भी जोड़कर देखा जाता है और कहा जाता है कि इसी के बाद सुहागिनें 'करवा चौथ' व्रत रखने लगी। इस पर्व से संबंधित और भी कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सत्यवान और सावित्री की कहानी तथा करवा नामक एक धोबिन की कहानी भी बहुत प्रसिद्ध हैं। इस पर्व की शुरूआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस व्रत का फल तभी है, जब यह व्रत करने वाली महिला भूलवश भी झूठ, कपट, निंदा, अभिमान न करे। इस व्रत से जहां पति के प्रति पत्नी की निष्ठा एवं समर्पण भाव परिलक्षित होता है, वहीं यह पर्व दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास और भरोसे को मजबूत करने तथा संबंधों में मधुरता घोलने का त्यौहार है। सही मायने में करवा चौथ दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व है।

ऑफर की बयार और बाजार करे लाचार

जैसे ही त्योहारों का आगमन होता है, विशेष छूट और ऑफर भी द्वार पर दस्तक देने लगते हैं। कई बार तो ऑफर इतने आकर्षक और मोहक होते हैं कि जिस चीज़ की जरूरत नहीं होती, उन वस्तुओं का यकायक पदार्पण हो जाता है। हालात तो यहां तक हो जाते हैं कि लोगों के घर के अंदर सामान रखने की जगह नहीं बचती है। सामान पलंग पर और गृहस्वामी नीचे जमीन पर पाए जाते हैं। मनोहारी स्लोगन व लुभावने ऑफर गृहस्वामिनी को इस कदर आकर्षित करे हैं कि वे तय नहीं कर पा रही हैं, क्या खरीदें? एक ऑफर खत्म नहीं होता, उसके पहले दूसरा ऑफर राकेट की गति से सामने आ जाता है।

मेरे मित्र मंगू जी भी इसी ऑफर संस्कृति के कारण पसोपेश में हैं, बड़ी बेटी का आई पेड पिछले साल ही खरीदा था, मगर एक्सचेंज ऑफर के मोह में बेटी ने अच्छे भले आई पेड को बदलने का मन बना लिया है, जिसमें पुराने की तो आधी कीमत भी नहीं मिल रही है। उल्टे नए की क़ीमत आसमान पर है। इतना ही नहीं, बेटा भी अपनी अच्छी-खासी मोटरसाइकिल को विदा कर देना चाहता है, उसके पीछे भी नई तकनीक और अपग्रेड मॉडल की सम्मोहक छवि प्रस्तुत की जा रही है, भले ही इसके लिए गृहस्थी की गाड़ी पटरी से उतर जाए।

उधर दूसरे मित्र भी अपनी हमसफर से हलकान हैं। उनकी श्रीमती जी इस दीपावली सोने के कंगन के लिए दबाव बना रही हैं, क्योंकि इस बार जीरो पर्सेन्ट डाउन पेमेंट पर कंगन की होम डिलीवरी का जबरदस्त ऑफर दिया है। मित्र ने आसमान छूती महंगाई और अपनी क्षमता की दुहाई देकर पिंड छुड़ाने का प्रयास किया, मगर पत्नी भी पहलवान की बेटी हैं। वह मित्र के बिना ही एक दिन जाकर किस्तों में कंगन की डील फाइनल कर आई।

ऑफर के आकर्षण में हमारी पड़ोसन भी अपने पतिदेव को एक दिन मॉल लेकर गई, जहां दीपावली फेस्टिवल डिस्काउंट की भरमार चल रही थी, साड़ी के साथ जेन्ट्स कपड़े फ्री मिल रहे थे, फिर क्या था? साड़ियां बड़ी संख्या में खरीदी गई, साथ में फ्री के पेंट-शर्ट के ऑफर ने तूफान जी की जेब को बहुत हल्का कर दिया। वैसे तो आजकल लोगों को बाजार तक जाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि विभिन्न माध्यमों से हर तरह का बाजार हर घर की दहलीज तक दस्तक दे चुका है। ऑनलाइन खरीदी का जुनून शबाब पर है। आर्डर देते ही राकेट की गति से डिलीवरी दिए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सब कुछ फटाफट हो रहा है, मगर जेब हल्की हैं।

लेखकः-धर्मेंद्र जोशी

नपा ने नहीं सुनी तो रहवासियों ने स्वयं की नाली की सफाई

माही की गूंज, शाजापुर।

बार-बार शिकायत के बावजूद नगरपालिका के द्वारा नालियों की सफाई नही कराने से परेशान रहवासियों ने स्वयं ही अपने हाथों में पावड़ा थामकर सफाई करना शुरू कर दिया। वार्ड क्रमांक 27 ज्योति नगर स्कूल रोड के रहवासियों ने बताया कि, नगरपालिका के द्वारा नालियों की लंबे समय से सफाई नही कराई गई। ऐसे में गंदगी जमा होने से दुर्गंध तो फैल ही रही है, साथ ही उसमें मच्छर पनप रहे हैं जो भारी मुसीबत का सबब बने हुए हैं। वार्ड पार्षद और नगरपालिका में सफाई को लेकर कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई सुनवाई करने को तैयार नही है। आखिरकार स्वयं के और परिवार के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए मंगलवार शाम सफाई करनी पड़ी। रहवासियों ने बताया कि उनके वार्ड में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से बदहाल है जिसे सुधारा जाना चाहिए।

होमगार्ड लाईन में दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

माही की गूंज, शाजापुर।

होमगार्ड लाईन में जवानों का वार्षिक सम्मेलन आयोजित कर किट निरीक्षण किया गया। डिस्ट्रिक्ट कमांडेड विक्रमसिंह मालवीय के द्वारा 30 अक्टूबर को कार्यालय अभिलेखों का परीक्षण किया गया। वहीं 31 अक्टूबर मंगलवार को परेड किट, परेड एवं सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान सहायक उप निरीक्षक (एम) परसराम नागर के नेतृत्व में पांच प्लाटूनों में कुल 92 जवान परेड पर उपस्थित रहे। परेड का निरीक्षण कर अच्छे टर्न आउट वाले जवानों को पुरस्कृत किया गया। बाद परेड द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट किया जाकर समीक्षा क्रम में चलाया गया। ततपश्चात टोली वार आर्म्स ड्रिल एवं फुट ड्रिल कराई गई जिसके बाद किट निरीक्षण किया गया। डिस्ट्रिक्ट कमांडेड ने बताया कि जिन जवानों के किट अच्छे पाए गए उन्हे पुरुस्कृत किया गया वहीं जिनके किट गन्दे थे उन्हे सुधार करने की समझाईश दी गई। साथ ही एसडीईआर द्वारा आपदा उपकरणों की प्रदर्शनी का निरीक्षण किया गया। जवानों से उनके उपयोग करने, चालू कराकर देखा गया, जिले में उपलब्ध वाहनों का परीक्षण किया गया। इसके बाद सैनिक सम्मेलन किया गया जिसमें जवानों को अच्छे टर्न आउट में ड्यूटी करने की समझाईश दी गई। आगामी विधान सभा चुनाव ड्यूटी के बारे आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मौसम को देखते हुए गर्म कपड़े धारण करने को कहा। इसीके साथ सभी जवानों को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाए जाने संबंधी सद्भावना दिवस की शपथ ग्रहण कराई गई। लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सभी जवानों से निर्भीक होकर स्वतंत्र मतदान करने एवं कराए जाने की भी शपथ दिलाई गई। सम्मेलन में जवानों से उनकी समस्या सुनी।

स्थानीय छोटा चौक में लगा जमकर जाम, वाहन चालक होते रहे परेशान

माही की गूंज, शाजापुर।

स्थानीय छोटा चौक में बीते दिन जमकर जाम लग गया। इस दौरान वाहन चालक काफी देर तक परेशान होते रहे। वाहन चालको ने बताया कि, नगर की सड़कों पर आए दिन जाम की स्थिति बनती है जिसके कारण वाहन चालक परेशान होते रहते हैं। यदि कोई बीमार व्यक्ति जाम में फंस जाए तो उसकी जान भी जा सकती है। यातायात पुलिस को इस और ध्यान देने की आवश्यकता है। आपको बता दे कि, नगर की सड़कों पर आए दिन यातायात बाधित होता रहता है लेकिन जिम्मेदार इस और ध्यान देने को तैयार नहीं है। बता दे कि, आगामी त्योहारों को लेकर शाजापुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी बड़ी संख्या में शाजापुर शहर में खरीदारी करने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में यातायात बाधित होने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

खेत की मेड़ को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले के ग्राम जलोदा में खेत की मेड़ को लेकर दो पक्ष में मारपीट की घटना हो गई। घायलों का शाजापुर जिला अस्पताल में उपचार जारी है। घायल के परिजन ने जानकारी देते हुए बताया कि, खेत की मेड़ को लेकर भारत नायक के साथ चार लोग मारपीट कर रहे थे। बीच बचाव करने के लिए बालू नायक पिता धन्नालाल, शाबू बाई पति बालू नायक निवासी जलोदा पहुंचे। इस दौरान चार लोगों द्वारा उनके साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। घायलों को शाजापुर जिला अस्पताल लाया गया जहां पर उनका उपचार जारी है।

क्या इस चुनाव में भी घूमेगी "बागी भाजपा की चाबी"

माही की गूंज, शाजापुर।

2018 विधानसभा चुनाव में भाजपा को हार का स्वाद चखाने वाले भाजपा के ही बागी प्रत्याशी स्व. जेपी मंडलोई के समर्थक रहे भाजपा जिला उपाध्यक्ष और मप्र सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामप्रसाद चौधरी ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर चाबी घुमाने की शुरुआत कर दी है। चौधरी के नामांकन दाखिल करने से भाजपा की बेचैनी बढ़ गई है, तो वहीं कांग्रेस में खुशी का माहौल है। चौधरी सोमवार को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल करने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। इस बात की जानकारी जैसे ही भाजपा प्रत्याशी अरूण भीमावद को लगी, तो वे भाजपा नेताओं के साथ तत्काल कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। यहां सभी ने रामप्रसाद चौधरी को समझाने की काफी कोशिश की, लेकिन वो जिद पर अड़े रहे। इस दौरान चौधरी और भाजपा नेताओं के बीच कहासुनी भी हुई।

एक गया, तो दूसरे को लेकर आ गए...

जब चौधरी नहीं माने, तो भाजपाई उनके साथ आए प्रस्तावक को अपने साथ लेकर चले गए। ऐसे में चौधरी तत्काल दूसरे प्रस्तावक को ले आए और फॉर्म जमा कर दिया।

दिल्ली-भोपाल के लगाए थे चक्कर...

बता दें कि, रामप्रसाद चौधरी ने शाजापुर विधानसभा से भाजपा से टिकट की मांग की थी। इसके लिए उन्होंने पिछले दिनों दिल्ली, भोपाल के चक्कर भी लगाए, लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। इसी बात से नाराज चौधरी ने बगावती रूख अपनाते हुए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया।

कराड़ा की नामांकन रैली में उमड़ा जनसैलाब

अंतिम दिन लाव-लश्कर के साथ कांग्रेस प्रत्याशी ने भरा नाम निर्देशन पत्र

माही की गूंज, शाजापुर।

विधानसभा चुनाव के मतदान की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है चुनावी रंग पूरे शहर में दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी नामांकन के अंतिम दिन शाजापुर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी हुकुमसिंह कराड़ा ने भारी भीड़ के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपना नामांकन दाखिल कर शाजापुर से हुंकार भरी। जिनके स्वागत के लिए भी लोगों में होड़ मच गई। शाजापुर विधानसभा से लगातार आठवी बार कांग्रेस ने हुकुमसिंह कराड़ा को कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया है। जिसमें से वे पांच बार चुनाव जीत चुके हैं। इस बार भी हाईकमान ने कराड़ा को अपना उम्मीदवार घोषित किया है, जिन्होंने सोमवार को नामांकन लाव-लश्कर के साथ रिटर्निंग ऑफिसर को जमा किया। इसके बाद रैली निकाली गई जो टंकी चौराहा से शुरू होकर महूपुरा, किला रोड, छोटा चौक, बड़ा चौक, नई सड़क, बस स्टैंड से एबी रोड होते हुए स्टेडियम ग्राउंड पहुंचकर सभा में परिवर्तित हुई।

खुशहाली लेकर आएगी कांग्रेस सरकार, पूरे होंगे वचन

यहां आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कराड़ा ने कहा कि, आज समय परिवर्तन का है और इस बार परिवर्तन जरूर होगा तथा कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस के सत्ता में आते ही कमलनाथ के 12 वचन जरूर पूरे होंगे तथा कांग्रेस की सरकार अपने साथ खुशहाली लेकर आएगी। वहीं नर्मदा का पानी भी पूरी विधानसभा क्षेत्र को मिलेगा। जिससे जलसंकट और सिंचाई का किसानों का संकट हमेशा-हमेशा के लिए दूर हो जाएगा। तो किसानों को 2 हजार 600 रुपए समर्थन मूल्य दिया जाएगा और आप सभी जानते हैं कि कांग्रेस जो कहती है वह करती है। उन्होंने कहा कि, पार्टी के कार्यकर्ताओं पर मुझे पूरा भरोसा है जो जन-जन तक कांग्रेस की विचारधार पहुंचाएंगे और जनता को मतदान के लिए प्रेरित कर सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

सभा को विधायक प्रतिनिधि आशुतोष शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी महेंद्रसिंह सेंगर, बालकृष्ण चतुर्वेदी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष इमरान खरखरे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष शकुंतला चौहान, पूर्व महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष स्मिता सोलंकी, सलीम ठेकेदार, जनपद अध्यक्ष शरद शिवहरे, आईटीसेल जिलाध्यक्ष देवकरण गुर्जर, जिला कांग्रेस प्रवक्ता पं. गोविंद शर्मा, पिछडा वर्ग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सचिन पाटीदार, मोहन बड़ोदिया जनपद पंचायत अध्यक्ष मोतीसिंह कराड़ा, अजबसिंह पंवार, पार्षद अजीज मंसूरी, अमरसिंह गुर्जर, सत्या वात्रे, नीरज वैष्णव, पार्षद राजेश पारछे, नवीन दुबे, शोएब मेव, वकार अली, सन्नी दुबे, जुनैद मंसूरी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शहर में किया जनसंपर्क

अपना नामांकन जमा करने के पूर्व शहर में हुकुमसिंह कराड़ा ने शहर में जनसंपर्क भी किया और लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उनके काफिले पर लोगो ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत भी किया। वही कई स्थानो पर रैली में शामिल कार्यकर्ताओं के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई थी।

2 मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर, इस बार आसान नहीं

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

किसी समय दशपुर के नाम से पहचाने जाने वाले मंदसौर में ?भी चुनावी रणभेरी बज चुकी है। इस जिले में 4 विधानसभा सीटें हैं और वर्तमान में चारों पर ही भाजपा का कब्जा है। इनमें दो सीटों पर तो शिवराज सरकार के मंत्री मैदान में हैं। हालांकि चुनावी जानकारों को इस बार संशय है कि भाजपा एक बार फिर सभी सीटें जीतने में सफल होगी। जिला मुख?यालय मंदसौर के अलावा मल्हारगढ़, सुवासरा-सीतामऊ और गरोठ विधानसभा सीटें हैं। हालांकि मंदसौर संसदीय क्षेत्र में कुल 9 सीटें आती हैं। इनमें 3 नीमच जिले की और एक रतलाम जिले की जावरा सीट भी शामिल है।

मंदसौर में यशपाल का जोर

विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक जमा चुके विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया पर भाजपा ने एक बार फिर भरोसा जताया है। 2018 में सिसोदिया ने कांग्रेस के दिग्गज नेता नरेन्द्र नाहटा को 18000 से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया था। इस बार कांग्रेस ने नाहटा के स्थान पर विपिन जैन को मैदान में उतारा है। नाहटा को कांग्रेस ने नीमच की मनासा सीट से टिकट दिया है। हालांकि मुख्य मुकाबला यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच ही है।

मंदसौर भाजपा की परंपरागत सीट है, लेकिन विपिन जैन को उतारकर कांग्रेस ने क्षेत्र की कारोबारी जमात को अपने पक्ष में खींचने का दांव चला है। हालांकि यह दांव कितना कारगर होगा यह तो मतगणना के बाद ही चलेगा। क्षेत्र में कारोबार से जुड़े जैन, पोरवाल और अग्रवाल बड़ी संख?या में हैं।

यशपाल की क्षेत्र में अच्छी पकड़ है। वे पूरे समय बहुत भी सक्रिय रहे हैं। उनका जनता से सतत संपर्क रहा है। उनके कार्यकाल में शहर को मेडिकल कॉलेज मिला है, अन्य विकास कार्य भी उन्होंने करवाए हैं। दरअसल, सिसोदिया के काम उनके लैंडमार्क हैं। ऐसे में सिसोदिया की स्थिति तुलनात्मक रूप से काफी मजबूत है।

मल्हारगढ़ में जगदीश बनाम परशुराम

अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित मल्हारगढ़ सीट पर भी भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। भाजपा ने जहां राज्य के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा को एक बार फिर इस सीट से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने पिछली बार चुनाव हारे परशुराम सिसोदिया पर ही फिर दांव लगाया है। देवड़ा भाजपा का बड़ा चेहरा हैं और इस सीट पर जीत की हैट्रिक लगा चुके हैं। देवड़ा 2003 में सुवासरा-सीतामऊ से भी चुनाव जीत चुके हैं।

कांग्रेस द्वारा परशुराम सिसोदिया को उतारना काफी हैरत भरा फैसला लगता है। क्योंकि पिछले चुनाव में परशुराम करीब 12 हजार वोटों से चुनाव हारे थे। जबकि, इस सीट पर श्यामलाल जोकचंद बड़े दावेदार के रूप में उभरे थे। उनकी अनदेखी कांग्रेस को भारी पड़ सकती है। श्यामलाल को

किसानों का हितैषी नेता माना जाता है। वे पिछले 5 वर्षो से इस क्षेत्र में लगातार काम कर रहे हैं। साथ ही वे मेघवाल कम्युनिटी से आते हैं, जिसके करीब 40 हजार वोटर हैं। श्यामलाल द्वारा बागी तेवर अपनाने से कोई आश्चर्य नहीं कि, कांग्रेस का अधिकृत प्रत्याशी तीसरे स्थान पर चला जाए। इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि श्यामलाल ने जब निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया था, तब 15 हजार से ज्यादा समर्थक मौजूद थे। श्यामलाल का आरोप है कि, कांग्रेस ने जिस नेता को टिकट दिया है उन्होंने कभी भी जनता की लड़ाई नहीं लड़ी।

क्या डंग का फिर बजेगा डंका...?

सुवासरा-सीतामऊ सीट से भाजपा शिवराज सरकार के मंत्री हरदीप सिंह डंग को टिकट दिया है। कांग्रेस ने एक बार फिर राकेश पाटीदार को चुनावी रण में उतारा है। ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक हरदीप इस सीट पर जीत की हैट्रिक बना चुके हैं। 2 बार वे कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते थे, जबकि सिंधिया की बगावत के बाद हुआ उपचुनाव उन्होंने भाजपा के टिकट पर जीता था। डंग ने उपचुनाव 29 हजार से ज्यादा वोटों से जीता था। लेकिन, 2018 का चुनाव वे मात्र 350 वोटों से ही जीते थे।

भले ही डंग ने उपचुनाव 29 हजार से ज्यादा वोटों से जीता हो, लेकिन इस चुनाव में उनके लिए हालात बेहतर नहीं हैं। क्योंकि भाजपा कार्यकता उनसे नाराज हैं। भाजपा का पुराना नेता होने के नाते इस सीट पर पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार का दावा सबसे मजबूत था। ऐसे में पाटीदार डंग को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस सीट पर पाटीदार वोटर भी बड़ी संख?या में हैं। ऐसे में राधेश्याम की नाराजगी डंग के लिए मुश्किल का सबब बन सकती है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने पाटीदार समाज के व्यक्ति को ही उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में परिणाम कुछ भी हो सकता है।

सोजतिया का मुकाबला सिसोदिया से

कांग्रेस की सरकार में गृहमंत्री रहे सुभाष सोजतिया को पार्टी ने मंदसौर जिले की गरोठ विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। सोजतिया पिछली बार भाजपा उम्मीदवार देवीलाल धाकड़ के मुकाबले करीब 2100 वोटों से ही चुनाव हारे थे। भाजपा ने इस बार धाकड़ का टिकट काटकर चंदर सिंह सिसोदिया को उम्मीदवार बनाया है। हालांकि भाजपा इस सीट पर लगातार 2 बार से चुनाव जीतती आ रही है।

देवीलाल धाकड़ के खिलाफ क्षेत्र में काफी नाराजगी थी। इसलिए उन्होंने खुद टिकट लेने में रुचि नहीं दिखाई। चूंकि पिछली बार सोजतिया काफी कमर अंतर से चुनाव हारे थे, इसलिए इस बार उनकी स्थिति तुलनात्मक रूप से मजबूत है। एंटी इनकम्बेंसी भाजपा प्रत्याशी चंदर सिंह की मुश्किल बढ़ा सकती है। मंदसौर जिले में कौन जीतेगा और कौन हारेगा इसका पता तो मतगणना के बाद ही चलेगा, लेकिन मतदाता के रुझान को देखते हुए लगता है कि मंदसौर और मल्हारगढ़ सीट पर भाजपा स्पष्ट रूप से बढ़त बनाए हुए है, जबकि सुवासरा-सीतामऊ सीट पर टक्कर देखने को मिल सकती है। वहीं, गरोठ सीट कांग्रेस की झोली में जा सकती है।

ताजा सर्वे के अनुसार भाजपा को नुकसान तो कांग्रेस को हो रहा फायदा

माही की गूंज, मंदसौर।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में क्या भाजपा को जोर का झटका लगने जा रहा है...? क्या सत्ताधारी पार्टी आगामी चुनाव में पिछड़ने जा रही...? ये सवाल एक चुनावी सर्वे के सामने आए चौंकाने वाले नतीजों से उठे हैं। हम बात कर रहे एक ऐसे सर्वे की जो कुछ दिनों पूर्व हुआ है जिसमें कांग्रेस को बढ़त का अनुमान जताया गया है। इस ताजा सर्वे में भाजपा को करारी शिकस्त मिलती दिख रही। कांग्रेस सूबे में सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है। चुनावी कार्यक्रम के मुताबिक, सूबे में 17 नवंबर को एक ही फेज में वोटिंग है। इससे ठीक पहले सामने आए इस लेटेस्ट सर्वे ने सत्ताधारी भाजपा की टेंशन जरूर बढ़ा दी है। मध्य प्रदेश विधानसभा में कुल 230 सीटें हैं। इस महीने की 17 को वोटिंग से ठीक पहले सर्वे सामने आया है। इस सर्वे में कांग्रेस को बंपर सीटें आती दिख रही हैं। कांग्रेस को 122 से 136 सीटें आ सकती हैं। भाजपा को 94 से 108 सीट मिलती दिख रही। वहीं अन्य के खाते में भी 2 से 5 सीटें आने के आसार जताए गए हैं। फिलहाल ये आंकड़े मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आए सर्वे में आए हैं। चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे करीब आ रही सियासी घमासान तेज होता जा रहा। एक ओर पार्टियां लगातार उम्मीदवारों के लिस्ट जारी कर रहीं। वहीं चुनाव प्रचार भी तेज होता जा रहा। एमपी में मुख्य मुकाबला सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी पार्टी कांग्रेस में है। दोनों ही दल चुनाव प्रचार में जुटे हैं। पार्टी के दिग्गज नेता अपनी-अपनी ओर से

चुनावी वादे कर रहे हैं। सभी को इंतजार 17 नवंबर का है जब एमपी में वोटिंग होगी। रिजल्ट 3 दिसंबर को आएगा। वहीं अगर मालवा क्षेत्र की बात करें तो 45 सीटे यह भी कांग्रेस पहले से बेहतर स्थति में है। मगर यह से भाजपा बड़त बनाती दिख रही हैं। यह से कांग्रेस को 16 से 20 सीटे मिलने का अनुमान है। तो वही भाजपा 22 से 25 सीटे जीत सकती है। अब अपने संसदीय क्षेत्र की बात की जाए मंदसौर संसदीय क्षेत्र यहां विधानसभा की 8 सीटे है। यह और सभी पर भाजपा का कब्जा था मगर इस बार कांग्रेस यह भी सेंधमारी करती नजर आ रही है। यह कांग्रेस को 1 से 3 सीटे मिलने का अनुमान है तो वही भाजपा को 5 से 7 सीटे मिल सकती है। अगर बात करें तो मंदसौर की यह 4 विधानसभा सीटे है। यह से कांग्रेस को 1 से 2 सीटे मिलने का अनुमान है तो वही भाजपा को 2 से 3 सीटे मिल सकती है।

चुनाव में क्यों इजरायल-गाजा की बात, फिलिस्तीन के लिए दुआ पर विवाद

माही की गूंज, खरगोन। ब्रजभूषण दसौंदी

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी तेज होने के साथ नए-नए मुद्दे और विवाद सामने आ रहे हैं। प्रदेश की जनता के मुद्दों की बजाय इजरायल-फिलिस्तीन तक पर चर्चा हो रही है। खरगोन में एक तरफ पिछले साल हुए सांप्रदायिक दंगे की बात हो रही है तो फिलिस्तीन को लेकर भी भाजपा-कांग्रेस में वार-पलटवार हो रहा है। कांग्रेस प्रत्याशी और विधायक रवि जोशी ने सरकार बनने पर दंगों की दोबारा जांच करवाने की बात कही है। वहीं, एक वायरल वीडियो में फिलिस्तीन के शहीदों के लिए मौन रखने की बात कही जा रही है। भाजपा का आरोप है कि यह बयान रवि जोशी की बेटी का है। वीडियो को लेकर भाजपा आक्रामक है तो कांग्रेस रवि जोशी और उनकी बेटी का बचाव कर रही है।

रामनवमी पर पिछले साल हुए दंगों का जिक्र एक बार फिर बाहर निकल आया है। इस बार विधानसभा चुनाव में दंगों का जिक्र होने से राजनीति एक बार फिर गर्म हो गई है। बता दें कि एक चुनावी सभा में खरगोन से विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी रवि जोशी ने कहा कि, 3 दिसंबर को मतगणना के बाद कांग्रेस की सरकार बनते ही वह खरगोन दंगों की जांच कराएंगे, और जो दोषी बाहर घूम रहे हैं उन पर कार्रवाई करेंगे। उन्होंने अपने बयान में पुलिस पर भी आरोप लगाया कि पुलिस ने भी दोषियों का साथ दिया है। इधर खरगोन से ही एक और वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला की आवाज आ रही है, जो सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रही है। साथ ही वह 'फिलिस्तीन के शहीदों' के लिए 2 मिनट का मौन रखा कर उन्हें श्रद्धांजलि देने की बात कहती सुनाई दे रही है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो रवि जोशी की बेटी का है। हालांकि अभी तक इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन बीजेपी इन दोनों ही वीडियो पर लगातार हमला कर रही है।

भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने कहा कि, खरगोन के कांग्रेस प्रत्याशी एक वर्ग विशेष की बैठक में जाते हैं और वहां खुलेआम कहते हैं कि हमारी सरकार बनी तो हम खरगोन दंगों की जांच कराएंगे। सलूजा ने कहा कि उनकी बेटी का भी एक वीडियो सामने आ रहा है जो फिलिस्तीन के समर्थन में 2 मिनट का मौन रखवा रही हैं। उन्होंने कहा, खरगोन में फिलीस्तीन कहां से आ गया? अगर रखना ही था तो मणिपुर से लेकर तमाम घटनाओं पर मौन रखवाते। लेकिन कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। हम इन वीडियो की चुनाव आयोग से शिकायत कर रहे हैं।

इधर भाजपा के हमले के बाद कांग्रेस भी बचाव में उतर आई है। खरगोन विधायक रवि जोशी की बेटी के वायरल वीडियो मामले में कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी के लोग गोडसे को मानते हैं। उनकी गांधी के सीने पर गोली मारने वाली सोच है। आज अगर मासूम बच्चों के शोक के लिए कोई 2 मिनट का मौन रखता है तो इसे गलत कहते हैं। यह बताएं मरते हुए हजारों बच्चे किसी भी देश के हो, उनके लिए कोई दो मिनट का मौन रखता है तो यह कोई अन्याय है? कोई गलत चीज है? प्रदीप ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को इसका जवाब देना चाहिए। मासूम बच्चे मर रहे हैं, निहत्थे लोग मर रहे हैं, और उसके लिए मौन रखना कोई पाप नहीं है। यह इनका प्रोपेगेंडा है। पूरी दुनिया के अंदर लोग अमन, चैन, शांति चाहते हैं। निहत्थे लोग, मासूम लोग जो मर रहे हैं उनके लिए सारे लोग मौन रहकर श्रद्धांजलि देते हैं।

यूनेस्को ने ग्वालियर को दिया 'सिटी ऑफम्यूजिक' का तमगा

ग्वालियर।

मध्य प्रदेश अपना स्थापना दिवस मना रहा है। एमपी के स्थापना दिवस के मौके पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बड़ी खुशखबरी दी है। सिंधिया ने बताया है कि ग्वालियर को 'सिटी आफम्यूज़िक' का तमगा मिला है। सिंधिया ने खुद इसके लिए जून के महीने में यूनेस्को को एक चिट्ठी लिखी थी। जिसके बाद अब यूनेस्को ने ग्वालियर को 'सिटी आफम्यूज़िक' का तमगा दे दिया है।

केंद्रीय मंत्री ने मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस राज्य के लोगों को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश खासकर ग्वालियर-वासियों के लिए एक गौरव भरा ऐतिहासिक पल! मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि यूनेस्को द्वारा ग्वालियर को 'सिटी ऑफ़म्यूजिक' की मान्यता दी गई है। यह उपलब्धि केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय व केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के साथ मिलकर किये गए अथक प्रयासों का परिणाम है। ग्वालियर की यह उपलब्धि विश्व पटल पर मध्य प्रदेश की एक नई पहचान स्थापित करेगी और विकास व रोज़गार के नये द्वार खोलेगी। सभी प्रदेश वासियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि की अनंत बधाई तथा स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' बताया जा रहा है कि, ग्वालियर को यह तमगा संगीतकार बैजू बावरा और तानसेन की वजह से मिला है। सिटी ऑफम्यूजिक का ताज मिलने के बाद अब विश्व भर में ग्वालियर को एक नई पहचान मिलेगी। अब अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम ग्वालियर में हो सकेंगे और इससे क्षेत्र में पर्यटन को भी काफी बढ़ावा मिलेगा। यूनेस्को ने महानिदेशक ऑद्रे अजोलो ने 55 ऐसे शहरों की सूची जारी की है जिसे यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क में शामिल किया गया है। इस सूची में ग्वालियर के हिस्से यह बेमिलास उपलब्धि आई है।

करोड़ों की नौकरी छोड़ अमेरिका से युवा लड़ रहे विधायकी का चुनाव

रीवा।

मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को मतदान होना है। भाजपा-कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने अपने सभी प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। इस दौरान आम आदमी पार्टी ने भी मध्य प्रदेश की कई विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। एमपी में जिस 'आप' प्रत्याशी की सबसे ज्यादा चर्चा है वो हैं गुढ़ से चुनावी मैदान में उतरे प्रखर प्रताप सिंह। प्रखर प्रताप सिंह राजनीति में एंट्री करने से पहले अमेरिका में बड़े पैकेज पर नौकरी कर रहे थे। कुछ दिन पहेल अमेरिका से गांव वापस आ गए और आम आदमी पार्टी की सदस्यता ले ली। एमपी चुनाव के दौरान 'आप' ने उन्हें एमपी की गुढ़ विधानसभा से टिकट दे दिया।

25 वर्षीय प्रखर प्रताप सिंह रायपुर कर्चुलियान के प्रतिष्ठित समाजसेवी निर्मल सिंह के पौत्र और भानु प्रताप सिंह के पुत्र हैं। निर्मल सिंह और भानु प्रताप सिंह कई वर्षों से गुढ़ विधानसभा में ही रह रहे थे। प्रखर प्रताप सिंह का जन्म भी यहीं हुआ है। उन्होंने अपनी शुरुआती शिक्षा दून स्कूल देहरादून में पूरी की है। इसके बाद प्रखर अमेरिका चले गए और वहां से आर्किटेक की डिग्री हासिल करने के बाद इटली में मास्टर डिग्री हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने करीबन दो साल तक अमेरिका में 1 करोड़ रुपए सालाना पैकेज की नौकरी की। प्रखर विदेश रह रहे थे लेकिन उनके अंदर अपने माटी के लोगों के प्रति प्रेम बरकरार रहा। यही वजह रही कि उन्होने करोड़ों की नौकरी छोड़ गांव वापस आने और राजनीति में कदम रखने का फैसला किया।

आप ने बनाया प्रत्याशी

प्रखर प्रताप सिंह की प्रतिभा और उनकी मेहनत से आम आदमी पार्टी प्रभावित हुई। वह 'आप' की सदस्यता लेने के बाद से लगातार विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय रहे। उन्हें उनकी मेहनत का इनाम भी मिला। आम आदमी पार्टी ने मध्य प्रदेश के रीवा जिले के अंतर्गत वाली गुढ़ विधानसभा सीट से उन्हें टिकट भी दे दिया।

किससे है मुकाबला

आम आदमी पार्टी ने जहां गुढ़ विधासभा सीट से प्रखर प्रताप सिंह के नाम का ऐलान किया है, वहीं इस सीट से भाजपा और कांग्रेस ने भी प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। इस सीट से भाजपा ने वर्तमान विधायक नागेंद्र सिंह को एक बार फिर मौका दिया है, वहीं कांग्रेस ने इस सीट से कपिध्वज सिंह पर भरोसा जताया है। अब इस सीट पर प्रखर प्रताप सिंह का मुकाबला इन दोनों प्रत्याशियों से है।

फर्जी दस्तावेजों प्रस्तुत कर स्थानांतरण आदेश निरस्त करवाने वाले को 7 वर्ष की जेल एवं 8 हजार रुपये जुर्माने से किया दण्डित

माही की गूंज, बड़वानी।

न्यायाधीष प्रथम अपर सत्र न्यायालय बडवानी कैलाष प्रसाद मरकाम बड़वानी के वि.स.प्रकरण क्र. 03/2019 के अपने फैसले में आरोपी रूलसिंह अछाले व्यवसाय तत्कालीन ग्रामीण उद्यान विकास एवं विस्तार अधिकारी पाटी जिला बड़वानी वर्तमान शासकीय नर्सरी कड़माल जिला धार म.प्र. को फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर स्थानांतरण निरस्त करवाने के आरोप में धारा 467 भादवि में 07 वर्ष एवं 1000 रूपये धारा 420,468 भादवि में 05-05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000-1000 रूपये एवं धारा 13(1)(डी) सहपठित धारा 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में 4 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 5000 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन की ओर से पैरवी सरदारसिंह अजनारे विषेष लोक अभियोजक(लोकायुक्त) जिला बड़वानी द्वारा की गई।

अभियोजन मीडिया प्रभारी सुश्री कीर्ति चौहान/एस.एस.अजनारे द्वारा बताया गया कि 19 फरवरी 2016 को शिकायतकर्ता आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक विपुस्था. लोकायुक्त कार्यालय इंदौर के समक्ष उपस्थित होकर एक आवेदन पत्र मय दस्तावेजों के आर.एस.अछाले ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी पाटी जिला बडवानी के विरूद्ध प्रस्तुत कर आर.एस.अछाले द्वारा लाभ प्राप्त करने के लिए स्वयं की पत्नी का स्वास्थ्य विभाग बडवानी में ए.एन.एम. के पद पर पदस्थ होना फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बताते हुए छत्तीसगढ राज्य में हुए स्थानांतरण को निरस्त कराने में पद का दुरूपयोग किये जाने के संबंध में प्रस्तुत किया गया। लोकायुक्त कार्यालय इंदौर द्वारा संपूर्ण विवेचना उपरांत यह पाया गया कि वर्ष 2000-01 में आरोपी आर.एस. अछाले द्वारा उसकी छत्तीसगढ राज्य को सौपी गई सेवाओं संबंधी आदेष निरस्त किये जाने हेतु स्वयं की पत्नी श्रीमति कामीनी अछाले का ए.एन.एम के पद पर दिनांक 12.01.2001 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बोकराटा जिला बड़वानी में पदस्थ होने संबंधी फर्जी प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया जिसके आधार पर स्वयं का स्थानांतरण निरस्त करवाया गया। आरोपी द्वारा लोक सेवक के रूप में म.प्र. मे पदस्थ रहते हुए लाभ प्राप्त करने की नियम से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अभ्यावेदन प्रस्तुत कर पद का दुरूपयोग किया जाकर अवैध लाभ प्राप्त किया गया। प्राथमिक जांच निरीक्षक एसपीएस राघव विपुस्था लोकायुक्त इंदौर द्वारा कि गई थी जिसमें प्रथम विवेचक षिवसिंह यादव उप पुलिस अधीक्षक विपुस्था इंदौर एवं द्वितीय विवेचक निरीक्षक राजकुमार सराफविपुस्था इंदौर के द्वारा विवेचना कर आरोपी के विरूध्द अपराध प्रथम दृष्टया पाया गया। आरोपी के विरूद्ध धारा 13(1)डी 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम एवं धारा 420, 467 एवं धारा 468 में अपराध पंजीबद्ध कर एवं विवेचना कर लोकायुक्त इंदौर द्वारा अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पोस्टल बैलेट एवं ईडीसी के संबंध में कलेक्टर ने दिए अधिकारियों को निर्देश

माही की गूंज, खरगोन।

31 अक्टूबर को मतदान दलों का प्रथम रेंडमाईजेशन एवं माईक्रो आब्जर्वर का रेंडमाईजेशन हो गया है। इस रेंडमाईजेशन से विधानसभा क्षेत्र में नियुक्त होने वाले मतदान दल एवं माईक्रो आब्जर्वर निर्धारित हो गये हैं। मतदान दल में नियुक्त एवं चुनाव कार्य में संलग्न सभी शासकीय सेवक व अन्य व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित ना हो सकें इसके लिए उन्हें पोस्टल बैलेट एवं ईडीसी की सुविधा प्रदान की जायेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा ने आज 01 नवंबर को पोस्टल बैलेट एवं ईडीसी से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिये। कलेक्टर शर्मा ने बैठक में कहा कि, अब विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदान दल निर्धारित हो गये हैं अतः उनसे समय पर निर्धारित प्रारूप में आवेदन लेकर उन्हें पोस्टल बैलेट प्रदान करना महत्वपूर्ण कार्य है। इसी प्रकार बीएलओ, स्पेशल पुलिस ऑफिसर एवं महिला एवं दिव्यांग कर्मचारी जिस विधानसभा के वे मतदाता हैं और उसी विधानसभा में उनकी ड्यूटी लगी है, तो उन्हें ईडीसी जारी करना है, जिससे वे अपने ड्यूटी स्थल वाले मतदान केन्द्र पर ही मतदान कर सकेंगें। पोस्टल बैलेट एवं ईडीसी वितरण का यह कार्य पूरी जिम्मेदारी के साथ करना है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। चुनाव कार्य में लगा कोई भी व्यक्ति मतदान करने से वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी अधिकारी इसके लिए समय पर तैयारी पूरी कर लें। मतदान दलों के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण के दौरान अलग-अलग काउंटर बनाकर पोस्टल बैलेट एवं ईडीसी का वितरण सुनिश्चित करें।

नथिंग लाइक वोटिंग, आई वोट फॉर श्योर

माही की गूंज, बड़वानी।

भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय, पाटी में स्वीप गतिविधि के अंतर्गत नथिंग लाइक वोटिंग आई वोट फॉर श्योर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम विषय नथिंग लाइक वोटिंग आई वोट फॉर श्योर अर्थात वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरुर डालेंगे हम विषय पर चर्चा कर मतदान मूल्य पर गहनता से विमर्श किया गया। यह थीम मतदाताओं को समर्पित है जो वोट की शक्ति के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया में सहभागिता के प्रति उनकी भावनाओं और आकांक्षाओं को व्यक्त करता है । प्रभारी प्राचार्य डॉ परवेज मोहम्मद ने बताया कि पहली बार वोट डालने की अनुभूति बहुत ही अद्भुत होती है। विद्यार्थियों से अपने आसपास में अधिक मतदान करवाने के लिए महाविद्यालयीन स्वीप राजदूत की भूमिका निभाने और अपने शिक्षित होने की जिम्मेदारी का निर्वहन करने का आग्रह किया । महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ मंशाराम बघेल द्वारा पंचायत से लेकर लोकसभा तक मतदान का महत्व बताया। डॉ नारायण पाटीदार ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में वोट के राजनीतिक अधिकार पर प्रकाश डाला। प्रो राजू ओसरी और भारत सिंह चौहान ने पहली बार वोट डालने के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन स्वीप गतिविधि नोडल प्रभारी प्रो अंजू बाला जाधव ने किया। महाविद्यालय के छात्र सियाराम, बिल्लौर सिंह और छात्रा रूपाली वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के जगदीश जमरे, शिवजी सोलंकी,सखाराम, कनसिंह, विक्रम तथा तरूणा, टीना, निर्मला,सपना आदि छात्राएं उपस्थित थी।

प्रेस क्लब पर दशहरा मिलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

माही की गूंज, सेंधवा। प्रेस क्लब सेंधवा पर बुधवार को दशहरा मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारी व सदस्य शामिल हुए। प्रेस क्लब अध्यक्ष संदीप कुशवाह द्वारा प्रेस क्लब सेंधवा के सभी सदस्यों के लिए एक अच्छी पहल की गई। पहली बार सभी सदस्यों के लिए 10 लाख रुपये का एक्सिडेंटल बीमा करवाया गया हैं। दशहरा मिलन कार्यक्रम में सभी सदस्यों को एक्सिडेंटल बीमा पॉलिसी के साथ ही पेन व राइटिंग पेड का वितरण किया गया। प्रेस क्लब संरक्षक नरेंद्र तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार पूर्व अध्यक्ष जैद एहमद शेख, प्रेस क्लब अध्यक्ष संदीप कुशवाह, सचिव अरविंद कुशवाह द्वारा सभी सदस्यों को पॉलिसी वितरित की। पॉलिसी मिलने के बाद सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया। कार्यक्रम के पश्चात सभी ने साथ में स्वल्पाहार किया। कार्यक्रम में पत्रकार साथी महेश कुमावत, हेमंत गर्ग, नंदकिशोर ठाकुर, ब्रजेश मिश्रा, अमित शर्मा, ओवेश एहमद, विजय शर्मा, प्रमोद सैनी, कपिलेश शर्मा, मोहसिन मंसूरी, गोविंद शर्मा, आनंद शर्मा, समीर शेख, दुर्गेश शर्मा, बापू प्रजापति सहित सभी प्रेस क्लब सदस्य उपस्थित रहें।

कलेक्टर एवं एसपी ने भीकनगांव में किया फ्लैग मार्च

माही की गूंज, खरगोन।

विधानसभा क्षेत्र से प्रतिनिधि के निर्वाचन के लिए आगामी 17 नवंबर 2023 को होने वाले मतदान को लेकर जिले में सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कर्मवीर शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने भीकनगांव में फ्लैग मार्च कर मतदाताओं से चर्चा की और 17 नवंबर को शांति पूर्वक मतदान सम्पन्न कराने में सहयोग की अपेक्षा की। इस दौरान भीकनगांव एसडीएम श्री बीएस कलेश, एसडीओपी एवं अन्य अधिकारी भी फ्लैग मार्च में शामिल हुए। कलेक्टर शर्मा एवं

पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने भीकनगांव की गलियों एवं सड़कों पर फ्लैग मार्च कर आम जन को संदेश दिया कि चुनाव के दौरान गड़बड़ी करने वाले या कानून को हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जायेगा और उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने आम जन से चर्चा के दौरान कहा कि शांतिपूर्वक चुनाव कराना हम सबकी जिम्मेदारी है। इसके लिए सामाजिक शांति भंग करने वाले एवं आपराधिक गतिविधियों में लिप्त लोगों पर जिला बदर एवं बांड ओव्हर की कार्यवाही की जा रही है। सभी मतदाता मतदान के दिन 17 नवंबर 2023 को बिना किसी भय या डर के निर्भीक होकर मतदान करें। यदि कोई व्यक्ति मतदाता को किसी प्रत्याशी विशेष के पक्ष में मतदान करने या नहीं करने के लिए डराता धमकाता है तो इसकी सूचना तत्काल सुरक्षा बल के जवानों को दें। ऐसी शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान मतदाताओं को संदेश दिया गया कि वे 17 नवंबर को सारे काम छोड़कर सबसे पहले मतदान करने जायें। मतदान स्वयं के विवेक से करें और जाति, धर्म, सम्प्रदाय, भाषा, क्षेत्र, बोली आदि का भेदभाव किये बगैर देश के लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करें।

सनावद में 11 लाख 70 हजार रुपये की नगद राशि जब्त

माही की गूंज, खरगोन।

विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मतदाताओं को प्रभावित करने वाली सामग्री, नगदी, मदिरा आदि के परिवहन पर सतत निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में आज 01 नवंबर को विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-182 बड़वाह की एसएसटी टीम द्वारा वाहनों की जांच के दौरान 11 लाख 70 हजार रुपये की नगद राशि जब्त की है।

रिटर्निंग ऑफिसर प्रदीप सोनी ने बताया कि एसएसटी टीम द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय सताजना के पास वाहनों की जांच के दौरान दोपहिया वाहन क्रमांक एमपी-09-जेवी-1592 में सवार संजय वर्मा निवासी दोगावां थाना कसरावद के पास से 2 लाख 70 हजार रुपये की नगद राशि बरामद की गई है। संजय वर्मा द्वारा इस राशि के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया, जिस पर यह राशि जब्त कर ली गई है। इसी प्रकार चार पहिया फार्चुनर वाहन क्रमांक एमपी-09-सीटी-8001 की जांच के दौरान सनावद निवासी अनिल कुमार गर्ग के पास 09 लाख रुपये की नगद राशि पायी गई। इस राशि के संबंध में संतोष जनक जवाब नहीं मिलने पर राशि जब्त कर ली गई है।

मनाया गया मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

माही की गूंज, बड़वानी। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का मुख्य समारोह डीआरपी लाईन बड़वानी में आयोजित किया गया। इस दौरान प्रातः 9 बजे कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग द्वारा ध्वजारोहण कर सलामी दी गई। इस अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय बड़वानी, एकलव्य आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़वानी, शासकीय कन्या हाईस्कूल बड़वानी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 बड़वानी के विद्यार्थियो द्वारा मतदाता जागरूकता के गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट विद्यालय के विद्यार्थियो, मुख्य अतिथि, कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियो ने सामूहिक रूप से मध्यप्रदेश गान का गायन भी किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक पुनित गेहलोद, जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे, अपर कलेक्टर केके मालवीय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्कूली विद्यार्थी उपस्थित थे।

दोपहिया वाहन पर लगाया जा सकेगा एक गुना आधा फीट का ध्वज

माही की गूंज, खरगोन।

भारत निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान कोई भी व्यक्ति दोपहिया वाहन पर एक फीट गुणा आधा फीट का ध्वज लगा सकता है। लेकिन यदि इस पर उम्मीदवार का नाम या फोटो होगा तो वह उम्मीदवार के चुनाव खर्च में जुड़ेगा। इसी प्रकार किसी व्यक्ति द्वारा अपने वाहन पर एक या दो छोटे स्टीकर भी लगा सकता है। फ्लैग की स्टिक किसी भी दशा में 3 फीट से अधिक नहीं हो सकती है। आयोग के मुताबिक राजनैतिक दल के कार्यालय या उम्मीदवार के स्वयं के भवन पर अधिकतम तीन झंडे लगाए जा सकते हैं। रोड शो के दौरान प्रत्येक 10 वाहनों के उपरांत 100 मीटर का अंतराल रखना आवश्यक है। यदि कोई वाहन इसका उल्लंघन करता है तो उसको संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया तक के लिए जप्त किया जा सकता है। रोड शो के दौरान बैनर की अधिकतम साइज 4 फीट गुणा 6 फीट हो सकती है। आयोग ने चुनाव प्रचार में वाहनों के उपयोग के बारे में कहा है कि यदि कोई व्यक्ति प्राइवेट व्हीकल पर स्वयं के लिए ध्वज या स्टीकर लगाकर चलता है तो यह आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है। लेकिन यदि वह किसी अन्य के समर्थन में ध्वज को लगाए हुए हैं तो इस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 171 एच के प्रावधान लागू होंगे। कमर्शियल वाहन की दशा में स्वयं के वाहन पर भी ध्वज लगाने के लिए रिटर्निंग अधिकारी की अनुमति लेना आवश्यक होगी। इसी प्रकार यदि वाहन में सामान्य किस्म का मॉडिफिकेशन किया जाता है जो मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 52 के तहत है तो वह अनुमत्य है लेकिन इससे किसी दूसरे को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होना चाहिए। आदर्श आचार संहिता के दौरान यदि कोई प्रत्याशी या राजनैतिक दल कैप मास्क या स्कार्फका वितरण करता है तो इसे आचार संहिता का उल्लंघन नहीं माना जाएगा बशर्ते प्रत्याशी द्वारा इस हेतु खर्चे के संबंध में सूचना दे दी गई हो। परंतु यदि प्रत्याशी या पार्टी द्वारा मुख्य वस्त्र जैसे साड़ी या शर्ट वितरित की जाती है तो यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होगा।

एसपी के नेतृत्व में संयुक्त दबिश में गुंडों की ली गई हाज़िरी

माही की गूंज, जोबट।

जोबट में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास अपनी टीम को लेकर निकल पड़े गुंडे बदमाशों की चेकिंग करने। इस कार्रवाई में एसडीओपी जोबट नीरज नामदेव, थाना प्रभारी जोबट आरती चराटे, थाना प्रभारी उदयगढ़ छगन सिंह बघेल, थाना प्रभारी नानपुर नेपाल सिंह चौहान तथा थाना प्रभारी आम्बुआ योगेंद्र मंडलोई सम्मिलित हुए। उक्त कार्रवाई में लगभग 50 पुलिस जवान मौजूद थे। जैसे ही पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में टीम द्वारा जोबट में गुंडे बदमाशो के घरों में दस्तक दी हड़कंप मच गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में थाना जोबट तथा नानपुर के संवेदनशील मतदान केंद्रों का भ्रमण कलेक्टर अभय बेडेकर के साथ किया गया व सभी गुंडे बदमाशों की चेकिंग की गई,जिसमें कुछ बदमाश रोज़गार हेतु बाहर बताये गये। गौरतलब है कि, विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरीके से मुस्तैद है। लगातार अवैध शराब पर कार्रवाई गुंडे बदमाशों की चेकिंग की जा रही है। स्थाई वारंटियों की धरपकड़ जारी है। इसके साथ ही एसएसटी और एफएसटी की टीम द्वारा अंतर राज्यीय व अंतर जिला नाको पर भी सघन चेकिंग की जा रही है। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि, अलीराजपुर पुलिस शांतिपूर्ण मतदान करने के लिए कटिबध्य है। किसी भी असामाजिक तत्व को छोड़ा नहीं जाएगा एक-एक को चिन्हित कर प्रभावी कार्रवाई की जा रही हैं। इसके साथ ही कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने अलीराजपुर जिले के निवासियों से शांतिपूर्ण व निर्विघ्न चुनाव कराने की भी अपील की है।

नदी तालाब में अथाह जलराशि संचित अब होगी जमीन भी सिंचित

इस बार रबी की फसलों में गेहूं का रकबा बढ़ने की संभावना

माही की गूंज, आम्बुआ।

विगत वर्षों क्षेत्र में वर्षा कभी औसत से कम तो कभी औसत बारिश होती आ रही है। नदी, नालों, तालाबों, कुओं का पानी गर्मी से पूर्व ही सूख जाता था जिस कारण लगभग चार-पांच माह तक पानी की किल्लत से जूझना पड़ता था। इस वर्ष भी क्षेत्र में पुनः अल्पवर्षा के कारण सूखे की स्थिति बनती जा रही थी मगर क्षेत्र वासियों की प्रार्थना काम आई तथा जाते-जाते इतनी अधिक बारिश हो गई की नदी नाले तालाब कुएं सब लबालब हो गए। भविष्य में जल संग्रह हेतु बोरझाड़, खुटाजा में तीन बैराज निर्मित किए गए जिनमें अथाह जलराशि संचित हो रही है।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र में विगत कई वर्षों से सूखे की स्थिति बनती रही। जिसको देखते हुए जल संग्रह हेतु करोड़ की लागत से समीप ग्राम बोरझाड़ में हथनी नदी पर दो बैराज निर्मित किए गए एक बैराज खुटाजा में भी बनाया गया। हमारे प्रतिनिधि ने इन तीनों बैराजों को देखा तो पाया कि इनमें संचित (संग्रहित) जलराशि अथाह होकर इनका बैंक वाटर लगभग 2 किलोमीटर तक फैला हुआ है। बैराज नंबर एक का जल शंकर मंदिर से आगे जाकर पुराने पुल तक फैल गया। ऐसा अथाह जल वर्षा काल में तब देखा जाता था जब अधिक वर्षा के कारण नदी में बाढ़ की स्थिति बनती थी। यह स्थिति कुछ घंटे या एक-दो दिनों तक रहती थी मगर वर्तमान में संचित जल अभी आगामी महीना तक रहने की संभावना बताई जा रही है। इस पानी को देख कृषकों में हर्ष है। इतना पानी देख कई कृषक गेहूं की बुवाई की तैयारी कर रहे हैं। जिससे लगता है क्षेत्र में गेहूं की बंपर पैदावार होकर कृषकों को आर्थिक लाभ प्राप्त होगा इसके अलावा सब्जी फल आदि का उत्पादन भी बढ़ सकेगा।

इनका कहना है

ठाकुर राजेंद्र सिंह राठौर कृषक बोरझाड़ ने बताया, इतना अधिक पानी इस मौसम में कभी भी हथनी नदी में नहीं देखा गया। इससे जहां सिंचाई होगी वही ट्यूबवेल कुओं का जलस्तर भी बढ़ेगा।

जगदीश गुप्ता कृषक तथा व्यापारी का कहना है, इस बार गेहूं चना तथा मक्का की बंपर पैदा वार होने की संभावना है तथा आगामी दिनों में जल समस्या से निजात मिलेगा।

सुमित कटारिया कृषक का कहना है कि, विगत दिनों अल्प वर्षा के कारण सूखे की स्थिति बन गई थी। मगर प्रकृति ने मेहरबानी की और अच्छी वर्षा अंतिम दिनों में हो गई बैराजों में अच्छा पानी एकत्र हो रहा है।

बाहरी नेता को टिकट वितरण के बाद सामने आ रही कांग्रेस नेताओं की नाराजगी

पिपलोदा ब्लॉक कांग्रेस युवा अध्यक्ष पवन जैन ने निर्दलीय प्रत्याशी जीवन सिंह शेरपुर का थामा हाथ

माही की गूंज, रतलाम/जावरा। विधानसभा चुनावों को लेकर राजनैतिक दलों ने प्रत्याशी घोषित कर दिये हैं। टिकट वितरण को लेकर विरोध भी सामने आ रहा है। जावरा विधानसभा सीट से कांग्रेस ने हिम्मत श्रीमल को टिकट दिया जिसका विरोध कांग्रेस के नेताओं ने करा विरोध को देखते हुए पार्टी ने विरेन्द्र सिंह सोलंकी को उम्मीदवार बनाया। बाहरी व्यक्ति को टिकट देने से नाराज़ होकर पिपलोदा ब्लॉक के युवा अध्यक्ष ने निर्दलीय प्रत्याशी जीवन सिंह शेरपुर को समर्थ दीया है। पिपलोदा ब्लॉक कांग्रेस युवा अध्यक्ष पवन जैन ने बताया कि, हिम्मत सिंह श्रीमाल को टिकट मिला था वो काट कर वीरेंद्र सिंह सोलंकी को दे दिया। इससे हिम्मत सिंह का अपमान नहीं हुआ सर्व समाज का अपमान हुआ है। जो व्यक्ति दो साल पहले जावरा आया उसे टिकट दे दिया और जो लगातार कांग्रेस में काम कर रहे है उनका टिकट काट दिया। आज हिम्मत सिंह के साथ कल हमारे साथ भी हो सकता है जो अन्याय हुआ उसके विरुद्ध लड़ाई लड़ेगे में युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हु जो युवा की आवाज उठा रहे है और युवा के लिए लड़ाई लड़ रहे है ऐसे व्यक्ति जीवन सिंह के साथ रहुगा और चुनाव जिताएंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी पर व्यापारी के भाई ने लगाए अवैध वसुली के आरोप

माही की गूंज, रतलाम/आलोट।

आलोट व्यापारी मनोज काला के भाई गोपाल काला ने कुछ पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि, किस तरह से जावरा के कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र सिंह पंवार व उनके साथी निज़ाम काजी और मनोज चावला ने उनके भाई को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया व पांच पांच लाख़ रुपए की तीन बार अवैध वसुली की गई। व्यापारी से आलोट में व्यापार करने के नाम पर अवैध वसूली के आरोप लगाए हैं। आरोप में निज़ाम काजी को प्रमुख गुण्डा बताया गया और इनसे प्रताड़ित होकर ताल, आलोट और यहां तक कि मध्य प्रदेश छोड़ने तक की बात कह कर आक्रोश व्यक्त किया। वहीं व्यापारी के भाई ने इन तीनों को चुनौती देते हुए कहा कि, अगर ये हमारा मर्डर करना चाहते हैं तो भी करदे हम कारगिल चौराहे पर खड़े हैं। आगे बताया कि, यूं घुट-घुट कर जिन्हे से अच्छा है मर जाना। जावरा में मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए मंच से 15 महीने की कांग्रेस सरकार को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी ने व्यक्ति को इतना प्रताड़ित किया कि मिडिया के सामने रो रो कर व्यक्ति ने आपबीती बताई।

खरीफ की फसलें समेट कर खलियान में रख रबी फसल की तैयारी में जुटे कृषक

माही की गूंज, आम्बुआ।

ग्रामीण क्षेत्र में कृषक इस समय कृषि कार्य में व्यस्त हो रहे हैं, कुछ कृषक मजदूर खरीफकी फसल काटकर खलियानों में रखकर गुजरात काम की तलाश में चले गए तो कई कृषक रबी फसल की बुवाई हेतु खेतों को तैयार करने में जुटे हैं।

गूंज संवाददाता ने ग्रामीण क्षेत्र काठकुआं, टोकरिया झीरण, टेमाची, इटारा, बेहड़वा, आगौनी, हरदासपुर, आम्बी, आदि का भ्रमण किया तो पाया कि खरीफ की अधिकांश फसले जिसमें उड़द, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली आदि की कटाई की जाकर जिनके पास थ्रेसर की व्यवस्था है उन्होंने फसलों से दाना निकाल कर बाजार में व्यापारियों तथा मंडियों में बेचना प्रारंभ कर दिया। शेष कई कृषकों ने फसलों को खलियानो में ढेर लगाकर रख दिया है। जिन्हें रबी फसलों की बुवाई तथा दीपावली त्यौहार के बाद निकालेंगे। खेत खाली हो जाने पर सिंचाई की जाकर उनकी जुताई हलो तथा ट्रैक्टरों के माध्यम से की जा रही है। इसके बाद इन खेतों में गेहूं, चना, मक्का, मूंगफली, तिल्ली आदि की बुवाई की जाना है। स्मरण रहे कि, मक्का, मूंगफली, मूंग तथा तिल्ली की फसल खरीफकी फसल होने के बावजूद इन्हें रबी फसलों के साथ भी बोया जाता है। ग्रीष्म काल में बोने के कारण इन फसलों में कीड़े तथा अन्य बीमारियां नहीं लगने के कारण कीटनाशक के खर्चे से किसान बच जाता है। हालांकि गर्मी अधिक होने पर सिंचाई बार-बार करना होती है जिस कारण पानी की अधिक जरूरत पड़ती है इन दिनों कृषक खेतों को तैयार करने में जुटे देखे जा सकते।

राघुसिंह कृषक तथा पूर्व सरपंच हरदासपुर ने बताया कि, बरसात की फसले लगभग कट चुकी है। कुछ ने दाने निकाल दिए हैं कुछ ने खलियानों में रखा है जिन्हें बाद में निकाला जायगा।

इसकान ग्रामीण कृषक टोकरिया झीरण ने बताया कि, गांव वाले जिन्होंने फसले काटकर थ्रेसर से निकालली है वे आगामी फसले बोने में लग रहे हैं।

गुजरात और धार व जिले में कई वारदात करने वाला गुंडा गिरफ्तार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव आदर्श आचार संहिता के दौरान पुलिस बदमाशों पर शिकंजा कस रही है। इसी क्रम में गुजरात और स्थानीय पुलिस के वांछित अपराधी को पुलिस ने दबोचा है। बदमाश पर पांच हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।

आजादनगर पुलिस टीम को सूचना मिली कि गुजरात और मप्र में शराब तस्करी और चोरी की वारदातों में शामिल रहा रावजी गणावा निवासी ग्राम संदा कासट तिराहे पर कहीं जाने के लिए खड़ा है। इस पर थाना प्रभारी गोपाल परमार के नेतृत्व में टीम यहां पहुंची और बदमाश को गिरफ्त में ले लिया। रावजी के विरूद्ध थाना आजादनगर में डकैती, अवैध शराब परिवहन, अपहरण, मारपीट के पांच, थाना रानापुर में अपहरण का एक, थाना डही जिला धार में अपहरण का एक एवं गरबाड़ा जिला दाहोद में चोरी के दो अपराध दर्ज हैं। बदमाश रावजी का आजादनगर, रानापुर, गरबाड़ा क्षेत्र में काफी आतंक था।

बदमाश लंबे समय से फरार था तथा पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही थी। लंबे समय तक फरार रहने पर उस पर इनाम भी घोषित किया गया था। आखिरकार पुलिस ने बदमाश को दबोच लिया है। कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जोबट नीरज नामदेव, थाना प्रभारी आजादनगर निरीक्षक गोपाल परमार, चौकी प्रभारी सेजावाड़ा सहायक उप निरीक्षक मनीष कुमार, आरक्षक जितेंद्र नरगावे एवं भारत का योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने बताया कि बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

जिले का आम चुनाव में हुआ खास

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विधानसभा निर्वाचन में जिले के मतदाताओं को जागरूक एवं प्रेरित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने अलीराजपुर की पहचान माने जाने वाले आम को शुभंकर का रूप देते हुए मतदाताओं को प्रेरित किए जाने का काम शुरू किया है। जिला प्रशासन द्वारा आम को शुभंकर का रूप दिए जाने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध जिले का आम अब खास बन गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त हुई जानकारी अनुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अभय अरविंद बेडेकर द्वारा आम शुभंकर के स्टीकर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहित जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं निर्वाचन से जुड़े अधिकारी मौजूद थे। उक्त स्टीकर के माध्यम से जिले के मतदाताओं से 17 नवंबर 2023 को मतदान करने कर मताधिकार का उपयोग करने की अपील की गई है।

उल्लेखनीय है कि, अलीराजपुर जिले का आम देश विदेश में अपने स्वाद एवं आकार तथा विभिन्न प्रजातियों के लिए विशेष पहचान रखता है। उक्त स्टीकर और आम शुभंकर की थीम लाइन फलों में आम ओर लोकतंत्र में मतदान रखी गई है,

जो कि मतदान के महत्व को उजागर करती है। कलेक्टर डॉ. बेडेकर की पहल पर आम के चित्र को जिले के मतदाता जागरूकता अभियान के शुभंकर के रूप में विशेष पहचान दिलाते हुए मतदाता जागरूकता की विशेष पहल की गई है। आम शुभंकर के स्टीकर विमोचन अवसर पर अपर कलेक्टर अनुपमा चौहान, उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियांषी भंवर, रिटर्निंग ऑफिसर तपीस पांडे, डिप्टी कलेक्टर एवं एस आर यादव, डिप्टी कलेक्टर एवं पोस्टल बैलेट नोडल अधिकारी जीपी अग्रवाल मौजूद थे, जिन्होंने कलेक्टर के साथ उक्त स्टीकर का प्रदर्शन किया।

अजीब से दिखने वाले प्राणी की अफवाह से क्षेत्र में दहशत

माही की गूंज, कट्ठीवाड़ा।

क्षेत्र में एक अजीब सा प्राणी दिखने की अफवाह पर दहशत फैल गई है। कई लोगों का दावा है कि उन्होंने एक ऐसा प्राणी देखा है जिसका चेहरा जानवरों सा और शरीर इंसानों जैसा है। मामले की सूचना प्रशासन को भी मिली है। अफसर इसकी जांच करा रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि यह वन अथवा शराब माफियाओं की हरकत हो सकती है, ताकि जंगल में लोगों का आना-जाना कम हो जाए।

ग्रामीणों का दावा

ग्रामीणों का दावा है कि, कवछा क्षेत्र में 28 अक्टूबर को पहली बार इस तरह का प्राणी देखा गया। कई लोगों ने उसे देखने का दावा किया है। डुंगरी माता क्षेत्र के सेवादार ने भी यहां ऐसा प्राणी दिखने का दावा किया है।

नजर आते ही हो जाता है विलुप्त

हवेलीखेड़ा क्षेत्र में भी इस प्राणी के देखे जाने की बात कही जा रही है। लोगों का कहना है कि, नजर आते ही यह प्राणी तेजी से विलुप्त हो गया। इंटरनेट मीडिया पर कथित प्राणी के पदचिह्न भी शेयर किए जा रहे हैं। इस संबंध में तहसीलदार सविता राठी ने बताया कि वन विभाग के माध्यम से जांच कराई जा रही है।

पटाखा गोदाम में विस्फोट से मालिक समेत तीन मजदूरों की मौत

दमोह।

मध्य प्रदेश के दमोह में अवैध पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। फैक्ट्री मालिक समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो महिलाएं हैं। इस फैक्ट्री में काम कर रहे 11 मजदूर बुरी तरह झुलस गए। बारूद की चपेट में आने से फैक्ट्री मालिक के शरीर का आधा हिस्सा चीथड़ों में तब्दील हो गया। सूचना पर पुलिस प्रशासन मौके पर पंहुचा और मामले की जांच पड़ताल में लग गया है। घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी अनुसार फैक्ट्री में जब विस्फोट हुआ उस दौरान महिला और पुरुष मज़दूर काम कर रहे थे। विस्फोट इतना भीषण था की एक मज़दूर की और उसका शरीर टुकड़ो में बिखर गया। खबर मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पंहुचा और रेस्क्यू रेस्क्यू कर 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलो को अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी अनुसार कई मजदूरों के फैक्ट्री में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस एवं स्थानीय लोगों के द्वारा किया जा रहा रेस्क्यू, रिहायशी क्षेत्र में संचालित हो रही थी पटाखा फैक्ट्री, मौके पर पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी, कलेक्टर मयंक अग्रवाल मौजूद रहे।

शहर के रिहायशी इलाके बड़ा पुल क्षेत्र में हुआ है। यहां पर अभय उर्फछुट्टन गुप्ता पटाखा फैक्ट्री संचालित करते थे। दिवाली होने से यहां पर लगातार पटाखा निर्माण का काम जारी था। मंगलवार को भी गुप्ता करीब एक दर्जन मजदूरों के साथ फैक्ट्री में मौजूद थे। अचानक धमाका सुन आसपास के लोग पहुंचे। हादसे की जानकारी तत्काल पुलिस-प्रशासन को दी गई। पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। मिली जानकारी के अनुसार फैक्ट्री मालिक समेत तीन की मौत हो गई। मरने वालों में दो महिलाएं भी हैं। फैक्ट्री में काम कर रहे 10 मजदूर बुरी तरह झुलस गए। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। बारूद की चपेट में आने से फैक्ट्री मालिक के शरीर का आधा हिस्सा चीथड़ों में तब्दील हो गया।

दमोह एसपी सुनील कुमार तिवारी के अलावा पुलिस-प्रशासन के साथ ही नगर पालिका का अमला और फायर बिग्रेड टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम तत्काल मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू शुरू किया। बड़ी मात्रा में बारूद होने की संभावना को देखते हुए मलबे में पानी भी डाला गया। सबसे पहले टीम को गुप्ता का क्षत- -विक्षत शव मिला। उनके शरीर का निचला हिस्सा चीथड़ों में बंट गया था। वहीं, एक घंटे की मशक्कत के बाद मलबे से दो महिलाओं को निकला गया, जिनकी मौत हो चुकी थी। उनका शरीर बुरी तरह से जला हुआ था।प्रारंभिक जानकारी अनुसार दमोह के इमलाई फैक्ट्री क्षेत्र में बारूद संग्रहण की परमिट थी, लेकिन यह अवैध रूप से अपने घर के पिछले इलाके में बारूद से पटाखा निर्माण करवा रहा था।

दोनों ही दलों के लिए मुश्लिक तो है मैदान जीतना

माही की गूंज झाबुआ, मुज्जमील मंसूरी

अब नामांकन पत्रों की समीक्षा के बाद जिले में चुनावी माहौल जमकर गर्माता नजर आ रहा है। झाबुआ जिले में तीन विधानसभाओं के लिए कुल 27 प्रत्याशी मैदान में है। जिले की तीन विधानसभाओं झाबुआ, थांदला और पेटलावद अब दोनों ही दलों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन रही है। निर्दलियों का मैदान में होना पार्टियों के लिए चिंता का विषय हो सकता है। यहां यह अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता है कि, कौन सा निर्दलीय कितने वोट काटेगा। हालांकि जिले की तीनों विधानसभाओं में सबसे अधिक निर्दलीय झाबुआ विधानसभा सीट पर है। यहां पार्टियों के अधिकृत प्रत्याशियों के अलावा भी पांच निर्दलीय मैदान में है। इन निर्दलियों में कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियों के बागी शामिल है। झाबुआ विधानसभा में इन निर्दलीय बागियों को हल्के में लेना दोनों ही दलों के लिए हानीकारक हो सकता है। माना यही जा रहा है कि, निर्दलीय इस बार बड़ा उलट फैर करवा सकते है। हालांकि मुख्य रूप से मुकाबला तो दोनों ही मुख्य राजनीतिक दलों के बीच ही रहेगा, लेकिन दोनों ही दलों के बागी इस मुख्य मुकाबले को प्रभावित करते दिखाई पड़ रहे है। इसीलिए दोनों ही दलों के लिए इस बार मैदान जीतना मुश्लिक भरा दिखाई पड़ रहा है।

जिले की झाबुआ विधानसभा में हर बार ही रोचक मुकाबला देखने को मिलता है। जिले की तीन विधानसभाओं में से झाबुआ सीट काफी महत्वपूर्ण मानी जाती रही है और अक्सर यहां पर बड़े उलट फैर देखने को मिलते रहे है। हालांकि यह सीट अधिकतर कांग्रेस के कब्जे में ही रही है, लेकिन पिछले दो दशक में यहां भाजपा ने बारी-बारी से अपना दम-खम दिखाया है। कुल मिलाकर अब यह सीट दोनों ही दलों के लिए असमंजस वाली बनकर रह गई है। इस सीट को अब किसी पार्टी विशेष के वर्चस्व वाली माना जाना भी गलत ही होगा।

विक्रांत भूरिया

भानू भूरिया।

यहां कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी के रूप में विधायक कांतिलाल भूरिया के पुत्र और मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया को अपना प्रत्याशी बनाया है। हालांकि इस सीट पर 2019 में उपचुनाव जीत कर कांतिलाल भूरिया विधायक बने थे। इसके पहले 2018 में हुए विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस ने विक्रांत भूरिया को ही टिकट दिया था मगर, अपने ही बागी पूर्व विधायक जेवियर मेड़ा की वजह से विक्रांत को हार का सामना करना पड़ा था। उस समय जेवियर मेड़ा ने निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ते हुए कांग्रेस के करीब 35 हजार से अधिक वोट काट दिए थे। 2019 में भाजपा ने झाबुआ विधानसभा सीट पर गुमानसिंह डामोर के जरिए जीत हासिल की थी। 2018 में कांतिलाल भूरिया खुद रतलाम-झाबुआ संसदीय सीट से सांसद रहते हुए अपने पुत्र को विधानसभा चुनाव नहीं जितवा पाए थे। मगर 2019 में गुमानसिंह को भाजपा ने लोकसभा के लिए अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया था। जिसके बाद झाबुआ विधानसभा सीट फिर से रिक्त हो गई थी। 2019 लोकसभा चुनाव में कांतिलाल भूरिया को गुमानसिंह डामोर से भी हार का सामना करना पड़ा था। तत्समय यह माना जा रहा था कि, कांतिलाल भूरिया का राजनीतिक सफर लगभग खत्म हो गया है। मगर 2019 में कांतिलाल भूरिया फिर से रिक्त हुई झाबुआ विधानसभा सीट से मैदान में उतरे और भाजपा के भानु भूरिया को हरा कर झाबुआ विधायक बने। अब चूंकि झाबुआ विधानसभा सीट पर कांतिलाल भूरिया ने एक बार फिर अपने पुत्र डॉ. विक्रांत भूरिया को मौका दिया है। तो यहां यह भी माना जा रहा है कि, कांतिलाल का झाबुआ विधानसभा सीट से अपने बेटे को उतानरने का मकसद खुद को अगले लोकसभा के लिए तैयार करना है। इस विधानसभा में विक्रांत जीते या हारे मगर कांतिलाल भूरिया एक बार फिर से दिल्ली की दौड़ में शामिल होने को आतूर दिखाई पड़ रहे है।

खैर अभी विधानसभा चुनाव में विक्रांत की राह आसान तो नहीं दिखाई दे रही है, क्योंकि इस बार फिर से जेवियर मेड़ा उनके सामने कांग्रेस के बागी के रूप में निर्दलीय चुनाव मैदान में डट गए थे। वही काग्रेस भी भलीभाती जानती थी की अगर यहा जेवियर मैंड़ा चुनावी मैदान में खडे रहे तो काग्रेस की हार 2018 की तर्ज पर निश्चित ही है। जिसे देखते हुए झाबुआ से लेकर भोपाल तक के काग्रेसी समीकरण के तहत जेवियर मैंड़ा को किसी भी हालत में मनाकर उनका नामाकंन खिचवाने का प्रयास किया जा रहा था और कही न कही यह प्रयास में काग्रेस सफल रही और 2 तारिख के एक दिन पूर्व ही बुधवार को काग्रेस प्रत्याशी विक्रांत भूरिया ने सोसल मिडिया पर एक विडीयो जारी कर बताया कि, बडे भाई जेवियर मैंड़ा ने, कमलनाथ जी व सुजेवाला जी का आदर करते हुए मेरे पक्ष में फार्म खिचा है और विक्रांत भूरिया ने बताया कमलनाथ जी के नेतृत्व में काग्रेस ऐतहासिक जित दर्ज करेगी। जेवियर मैंड़ा की फार्म वापसी की सुचना के बाद विधानसभा की राजनिती में नये समीकरण बैठने शुरू हो गये है।

कांग्रेस के प्रयास जेवियर मैड़ा को लेकर सफलता मिलने पर भाजपा में खलल मंच गई है। वही झाबुआ विधानसभा सीट को लेकर भाजपा भी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त तो बिल्कुल भी नजर नहीं आ रही है। भाजपा से इस विधानसभा के लिए भानू भूरिया को अपना प्रत्याशी घोषित किया है, लेकिन भानू भूरिया 2019 में भाजपा से प्रत्याशी रहे और कांतिलाल भूरिया ने उन्हे उपचुनाव में काफी अंतराल से पराजित किया था। मगर इस बार फिर भाजपा ने भानू पर दाव खेला है। इधर भानू भूरिया के सामने भी भाजपा के बागी ही चुनौती साबित होते दिखाई पड़ रहे है। निर्दलीय के रूप में झाबुआ विधानसभा सीट पर भाजपा के बागी और पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष धनसिंह बारिया ने ताल ठोक दी है। इसके अलावा कमलसिंह भाबोर भी भाजपा के ही बागी है और निर्दलीय चुनावी मैदान में है। हालांकि यह नहीं कहा जा सकता कि, भाजपा के यह दोनों बागी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को कितना नुकसान पहुंचा पाएंगे। मगर यह तो तय है कि, यह दोनों बागी भाजपा के ही वोट बैंक को नुकसान पहुंचाएंगे और भानू भूरिया के लिए मुसीबत खड़ी करेंगे। हालांकि झाबुआ विधानसभा सीट पर किसी भी बागी या निर्दलीय का जीत पाना शायद दिवा स्वप्न ही साबित होगा। क्योंकि विधानसभा के आंकड़े तो यह बताते है कि, यहां कभी निर्दलीय नहीं जीता। मगर निर्दलीयों ने इस सीट पर कई बार बड़े उलट फैर किए है। 2003 के पहले यह सीट शुद्ध रूप से कांग्रेस के ही कब्जे में रही। 2003 में पहली बार यहां पर भाजपा काबिज हुई और पवेसिंह पारगी भाजपा से विधायक बने। मगर 2008 में भाजपा को फिर से यह सीट गवानी पड़ी और कांग्रेस से जेवियर मेड़ा इस सीट पर विधायक बने। 2013 में यहां कांग्रेस को अपने ही बागी स्वर्गीय कलावती भूरिया के निर्दलीय चुनाव लडने् से हार का सामना करना पड़ा था और भाजपा के शांतिलाल बिलवाल विधायक बने थे। 2018 में भी यह सीट भाजपा के ही खाते में थी, लेकिन 2019 के उपचुनाव में यह फिर से कांग्रेस के खाते में चली गई। भाजपा के भानू भूरिया को यहां कांग्रेस के कांतिलाल भूरिया ने बड़े अंतराल से हराया था। हालांकि देखा जाए तो झाबुआ विधानसभा सीट पर भाजपा को बागियों ने इतना नुकसान नहीं उठाना पड़ा जितना कि कांग्रेस को। मगर बावजूद इसके इस बार धनसिंह बारिया और कलमसिंह भाबोर भाजपा को कितना नुकसान पहुंचाते है यह देखने लायक होगा या भाजपा इन्हे मनाने में सफल होगी...? यह आज पता चलेगा। इसके अलावा भानू की अपनी व्यक्तिगत छवि भी भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती है। जिलाध्यक्ष रहते हुए भानू पर कई तरह के आरोप लगे है। कमीशन खोरी, कमीशन के लिए अधिकारियों से धौंस दपट, मादक पदार्थों की सप्लाय के आरोप, अवैध कामों में अधिकारियों से जोर जबरदस्ती जैसे कई आरोप विपक्ष लगा चुका है। जो गंभीर भी है और संगीन भी। हालांकि संगठन इस बात पर पूरी तरह से आवश्वस्त है कि, भानू भूरिया की जीत तय है और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। मगर यह कोई पुख्ता प्रमाण तो नहीं है चुनावी जीत-हार के।

कुल मिलाकर बात यह है कि, इस बार झाबुआ विधानसभा सीट जीतने के लिए दोनों ही दलों को एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ सकता है और अपने बागियो को जो मनाने में जो सफल रहा वह सफलता की सीढ़ी चढ सकता है।

पुलिस का फ्लैग मार्च निकला

माही की गूंज, खवासा।

आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए क्षेत्र में शांति व्यवस्था और भय रहित मतदान के लिए झाबुआ पुलिस कप्तान अगम जैन के निर्देश पर जगह-जगह फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है। उसी कड़ी में आज खवासा क्षेत्र में थांदला एसडीओपी, थाना प्रभारी राजकुमार कुंसारिया और खवासा पुलिस चौकी प्रभारी रज्जनसिंह गणावा के नेतृत्व में पुलिस का फ्लैग मार्च निकाला गया। बड़ी संख्या में अचानक इतना बल देखकर ग्रामीणजन सख्ते में आ गए लेकिन जैसे ही उन्हें पता चला कि, ये चुनाव के समय होने वाली पुलिस की रूटीन प्रक्रिया है तो लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस फ्लैग मार्च का उद्देश्य ही यह रहता है कि, क्षेत्र में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव के लिए वातावरण निर्मित हो और लोग बिना किसी भय के शांतिपूर्वक मतदान कर सके।

10 प्रत्याशी मैदान में, कितने उतरेगें मैदान में और कितनों की नामवापसी यह आज होगा तय

कांग्रेस मालू अकमाल के लिए प्रयासरत, तो आप जोड़-तोड़ के प्रयास में

माही की गूंज, पेटलावद,राकेश गेहलोत

विधानसभा चुनाव 2023 अब मतदान की तारीख की और बढ़ता जा रहा है, चुनाव के लिए लगी आदर्श आचार सहिंता का दूसरा फेज लगभग पूरा होने को हैं। पहले फेज में राजनीतिक दलों की टिकिट की मारामारी देंखने को मिली तो दूसरे फेज में उम्मीद्वार ,निर्दलीयों और बागी उम्मीद्वारो के नामांकन के शक्ति प्रदर्शन भी दौर देंखने को मिला। दूसरे फेज के अंत मे आज नाम वापसी के बाद विधानसभा प्रत्याशियों की संख्या साफहो जाएगी और शुक्रवार को निर्दलीय उम्मीद्वारो को चुनाव चिन्ह वितरण के साथ ही चुनाव का तीसरा फेज प्रचार-प्रसार का शोरगुल शुरू ही जायेगा। चुनाव परिणाम के लिए आम जनता और प्रत्याशियों को चौथे फेज मतलब 3 दिसम्बर तक का इंतजार करना पड़ेगा जब विधानसभा चुनावों के परिणाम घोषित किये जायेंगे।

7 से 8 लोग रह सकते हैं मैदान में

पेटलावद विधानसभा क्रमांक 195 के लिए 17 लोगो ने नामांकन फार्म प्राप्त किये थे जिसमे से कई प्रत्याशीयो दो नामांकन पार्टी अधिकृत और निर्दलीय रूप में जमा किये थे। नामांकन फार्म की जांच के बाद कुल 10 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं। उम्मीद्वारो में ज्यादातर उम्मीद्वार रामा विकास खण्ड से मैदान में और भाजपा, कांग्रेस सहित आप पार्टी ने भी इसी क्षेत्र से टिकिट दिए हैं। तो ज्यादातर निर्दलीय प्रत्याशी भी रामा विकास खण्ड से मैदान में ,पेटलावद विकास खण्ड से बीएसपी और भारत आदिवासी पार्टी सहित ईक्कादुक्का निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में उतरे है। नाम वापसी की अंतिम तिथि तक संख्या कम होने के आसार हैं। मैदान में उतरे प्रत्याशीयो में से दो से तीन लोग मैदान छोड़ सकते हैं। जिंसमे ज्यादातर निर्दलीय प्रत्याशी पीछे हट सकते हैं। बड़े दल के साथ-साथ क्षेत्रीय दल निर्दलीय प्रत्याशियों की अपने पक्ष में नामांकन वापसी करवाकर अपना माहौल बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

कांग्रेस के लिए मालू डामोर बने चुनोती

कांग्रेस से टिकिट की मांग करने वाले जिला पंचायत उपाध्यक्ष मालू अकमाल डामोर ने निर्दलीय मैदान में उतरकर कांग्रेस की चिंता बढ़ा दी है। जहा भाजपा बाप पार्टी और मालू की उपस्थिति के चलते जीत को लेकर आश्वस्त दिख रही है। वही दूसरी ओर कांग्रेस के लिए मालू परेशानी का सबब बने हुए है। कांग्रेस के बड़े नेता मालू को बिठाने की लगातार प्रयास किये जा रहे हैं वही भारत आदिवासी पार्टी की और से मालू अकमाल को साध कर रामा क्षेत्र में पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। हमारे सूत्रों के अनुसार मालू डामोर पूरे तरह से मैदान में उतरने की तैयारी कर ली हैं और वो चुनाव मैदान में उतर रहे हैं।

आओ करें कुछ नई बात युवा सोच के साथ नई शुरुआत

माही की गूंज, थांदला

जयस के प्रत्याशी माजू डामोर ने थांदला नगर के प्रमुख मार्गो से वाहन रेली निकली। जयस के नेताओं ने जयस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। आदिवासियों के अधिकार के लिए आदिवासियों से जल, जमीन-जंगल आदि को बचाने के लिए आदिवासी रीति-रिवाज को कायम रखने के लिए, जयेश के युवा उम्मीद्वार माजू डामोर ने रैली थांदला के प्रमुख मार्गो से होते हुए खवासा रोड, चैनपुरा चौराहे पर आमसभा में तब्दील आदिवासियो युवाओं को एक नई सोच के साथ व परिवर्तन की बात करते हुए जयेश के प्रत्याशी ने अपने लिए विधानसभा 194 के विधानसभा में जयस प्रत्याशी को वोट कर आदिवासी भाइयों के भला करने के लिए वोट देने की अपील की। साथ ही आदिवासी भाई-बहनों से निवेदन किया कि, दोनों पार्टियों से बचकर रहना वो आपको लोभ-लालच देकर आपको खरीदना चाहते हैं। आप को सावधान रहना होगा और अपने मत का उपयोग सही तरीके से करना होगा। आपका एक मत आदिवासी भाइयों की किस्मत बदल सकती है और आदिवासी का बेटा इस क्षैत्र में विकास कार्यों को कर सकेगा।

बागी बिगाड़ेंगें सत्ता का खेल

भाजपा और कांग्रेस में भी बगावत के सुर, उनके भाग्य का फैसला जनता के हाथ में

माही की गूंज थांदला, मुकेष भट्ट

मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा में अधिकांश स्थानों पर भाजपा बिखरी हुई नजर आ रही है। जिसका मूल कारण कांग्रेस से बगावत कर भाजपा में शामिल होने वालें बड़े नेता है। तो कांग्रेस के हालात भी कुछ कम नही है जिसका मुख्य कारण संकुचित शीर्ष नेतृत्व व भाजपा से बगावत कर आने वाले नेता है। भाजपा का 18 वर्षो से लम्बे शासन से उपजी नाराजगी व इस बार थोड़ी बहुत कांग्रेसी लहर के चलते कांग्रेस में भी अनेक स्थानों पर बागियों ने कांग्रेस की सांसें फुला दी है। भाजपा व कांग्रेस की फुट फजीती से निकले बड़े नेता बहुजन समाज पार्टी व आम आदमी पार्टी से लड़ते नजर आ रहे है। नामांकन के बाद उनके स्थानों पर बाग़ियों ने सत्ता के खेल में अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। हालांकि स्थिति 2 नवम्बर को नाम वापसी के बाद स्पष्ट हो जाएगी। लेकिन बगावती तेवर देखकर ऐसा लगता है कि, इस बार दोनों प्रमुख दलों के लिए राह आसान नही होने वाली है।

मुद्दों से भटकते राजनीतिक दल, मुफ्त की रेवड़ी बांटने में मशगुल

राजनीतिक दलों में राज्य स्तरीय पर कोई बड़ी योजना का आभाव दिखाई दे रहा है। वही मुफ्त की रेवड़ी बांटने में एक-दूसरे से प्रतिद्वंद्वीता करते नजर आ रहे है। राजनीतिक विश्लेषक का कहना है कि, मुफ्त की रेवड़ी जनता को राहत देने वाली कांग्रेस की मुफ्त बिजली, शिक्षा व पढ़ने वालें बच्चों को भी पैसा देने की घोषणा उसके लिए मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकती है। बशर्ते वह इसे ठीक से भुना पाए अन्यथा लाड़ली बहना, विधवा पेंशन, बेरोजगारी भत्त्ता, ऋणमाफी योजना आदि अन्य योजनाओं में तो दोनों तरफ से बम्पर ऑफर दिए जा रहे है। ऐसे में जनता भी किसी के भी साथ होने में संकोच नही करेगी। राज्य को उन्नत करने का एजेंडा किसी के पास नही है यही कारण है कि, भापजा राज्य स्तरीय चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दों के साथ मोदी के नाम पर वोट मांगने में जरा भी संकोच नही कर रही है। इन सबके बीच 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के शुभारंभ की तारीख भी उसके लिए संजीवनी से कम नही लग रही है। अब देखना है कि, वह परिवर्तित विचारधारा वाले इन भाजपा, कांग्रेस जैसे प्रमुख दलों के साथ खड़ी नजर आती है या फिर पार्टी से बगावत करने वालें क्षेत्रीय नेता जनता से सहानुभूति हासिल करने में सफल हो पाते है। फिलहाल विधानसभा चुनाव में शक्ति प्रदर्शन व बागियों के कारण बनते बिगड़ते खेल में जनता भी खामोशी से नेताओं के मजे ले रही है।

देश के लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का हुआ अनावरण

माही की गूंज सारंगी, संजय उपाध्याय

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर मंगलवार को मुख्य अतिथि पंडित डॉ. देवेंद्र शास्त्री द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया गया। प्रातः 9 बजे चल समारोह डीजे के साथ पुरे ग्राम में निकाला गया। जो मुख्य बाजार से होते हुए बस स्टेंड पर पहुंचा। मुख्य अतिथि पंडित देवेंद्र शास्त्री के द्वारा मां सरस्वती की पूजन, दीप प्रज्वलित, माल्याअर्पण करने के बाद कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथियों का स्वागत युवा सरदार वल्लभ भाई पटेल सेना व ग्राम के वरिष्ठ पाटीदार समाज, ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों एवं पत्रकार संघ द्वारा स्वागत किया गया। युवा ओजस्वी कवि दर्शन लोहार, पाटीदार समाज प्रदेश अध्यक्ष कृष्णकांत पाटीदार, युवा सरदार सेना प्रदेश अध्यक्ष कविता पाटीदार के सानिध्य में सारंगी ग्राम में मूर्ति अनावरण हुआ। पं.शास्त्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। सभी सनातनी बंधुओं ने शामिल होकर आयोजन को भव्यता प्रदान की। इस भव्य आयोजन में ग्राम के पाटीदार समाज ने अपने संपूर्ण प्रतिष्ठान एवं कृषि कार्य बंद रखा। बड़ी संख्या में ग्राम के सर्व समाज के गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422